E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 21 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, मंगलवार 04 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

महिपाल मकराना ने दिलाई भाजपा को वोट नहीं देने की शपथ, निकाय-पंचायत चुनाव के बहिष्कार का आह्वान

जयपुर। श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने जयपुर के कलेक्ट्रेट सर्किल पर प्रदर्शन कर रहे समर्थकों को आगामी नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भाजपा को वोट नहीं देने की शपथ दिलाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा की चुनावी रैलियों और कार्यक्रमों से भी दूरी बनाए रखने का आह्वान किया।

लाठीचार्ज और पुलिस कार्रवाई के विरोध में कलेक्ट्रेट सर्किल पर धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए महिपाल मकराना ने कहा कि उनकी मांगों की अनदेखी की गई और शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बल प्रयोग किया गया।

इसके विरोध में उन्होंने समर्थकों से आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों में भाजपा के खिलाफ मतदान करने तथा पार्टी की सभाओं और रैलियों में शामिल नहीं होने की शपथ दिलाई।

इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने हाथ उठाकर शपथ ली और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद मौके पर पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी गई। महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि संगठन अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा और यदि सरकार की ओर से जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की एकजुटता बनाए रखने और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी आवाज उठाने का आह्वान किया।

जयपुर में श्री राजपूत करणी सेना की रैली पर लाठीचार्ज, यूजीसी रोल बैक की मांग को लेकर प्रदर्शन उग्र

जयपुर। राजधानी जयपुर में सोमवार को यूजीसी रोल बैक एवं सवर्ण समाज की विभिन्न मांगों को लेकर निकाली गई श्री राजपूत करणी सेना की रैली के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। घटना में कई प्रदर्शनकारियों के घायल होने की सूचना है। श्री राजपूत करणी सेना की ओर से अध्यक्ष *महिपाल सिंह मकराना* के नेतृत्व में रावण गेट (कालवाड़ रोड) से कलेक्ट्रेट सर्किल तक रैली निकाली गई। प्रदर्शनकारियों का उद्देश्य जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपना था। हालांकि बाद में प्रदर्शनकारी भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ने लगे, जिस पर पुलिस ने खासाकोठी पुलिया के नीचे बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हो गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया। घटना के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने वाटर कैनन वाहन तक पहुंचने की कोशिश की। वहीं, रैली के बीच फंसी एक एंबुलेंस को प्रदर्शनकारियों ने स्वयं रास्ता देकर सुरक्षित निकलने दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धक्का-मुक्की के दौरान एक पुलिसकर्मी अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना की कॉलर पकड़कर उन्हें हटाते हुए दिखाई दिया। इस घटनाक्रम के बाद प्रदर्शनकारियों में आक्रोश और बढ़ गया। महिपाल सिंह मकराना ने आरोप लगाया कि उनकी 800 किलोमीटर की यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही, लेकिन जयपुर में पुलिस ने बहन-बेटियों पर वाटर कैनन चलाया और लाठीचार्ज किया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस कार्रवाई में कई कार्यकर्ता घायल हुए तथा एक साथी का पैर टूट गया। लाठीचार्ज के विरोध में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी खासाकोठी पुलिया के नीचे सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने मौके पर अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर स्थिति पर नियंत्रण पाया। पुलिस प्रशासन की ओर से पूरे घटनाक्रम के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनकारियों और प्रशासन के बीच वार्ता की संभावना बनी हुई थी।

आज NDA दलों की साप्ताहिक मीटिंग: 'मंगल मिलन' में इन मुद्दों पर होगी चर्चा, पिछली बार क्या हुई थी चर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली में आज 4 अगस्त को भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के सभी दलों की बैठक होने वाली है। मंगलवार को होने वाले ये मीटिंग साप्ताहिक 'मंगल मिलन' है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि यह अहम बैठक नई दिल्ली में संसद पुस्तकायल भवन में स्थित जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी। इसकी शुरुआत सुबह 9.30 बजे से होने वाली है। इससे पहले ये मीटिंग मंगलवार 28 जुलाई, 2026 को हुई थी।

जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के कई अन्य वरिष्ठ लीडर्स शामिल हुए थे। इस दौरान केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसको संबोधित किया था। वहीं, इस बैठक में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ केंद्रीय पंचायती राज एवं मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने अपनी बात रखी थी। जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं और पहलों की प्रगति के लेकर विचर व्यक्त किए थे।

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस मीटिंग में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत की ओर से इस डील को सफल बताया है। इसके साथ ही उन्होंने इसके रणनीतिक प्रभावों के बारे में सभी सांसदों को बताया था। वहीं, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने देश के मछली पालन के क्षेत्र पर अपनी बात कही। उन्होंने बताया था कि इस क्षेत्र को गति मिली है। इसके साथ कहा था कि सरकार की अगल-अलग पहलों और भविष्य के विकास रोडमैप के बारे में जानकारी साझा की थी। बैठक में एनडीए के घटक दलों के सांसदों और वरिष्ठ नेताओं के विभिन्न समसामयिक राजनीतिक एवं संसदीय विषयों पर चर्चा करने की संभावना है।

पांच दशक में पहली बार पूरी तरह पुरुषों वाला मंत्रिमंडल, कैबिनेट विस्तार के बाद कांग्रेस में उभरा भारी असंतोष

बेंगलुरु। कर्नाटक में लगभग पिछले पाँच दशकों (50 वर्षों) में पहली बार पूरी तरह से पुरुषों वाला मंत्रिमंडल बना है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए नए मंत्रियों को शामिल किया, लेकिन इस पूरे कैबिनेट विस्तार में एक भी महिला को प्रतिनिधित्व नहीं मिला। रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस पार्टी हाईकमान की ओर से भेजी गई शुरुआती सूची में गायत्री शांतिगौड़ा का नाम बतौर मंत्री शामिल था। हालांकि, राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह से करीब दो घंटे पहले उनका नाम अचानक हटा दिया गया। इसके पीछे तर्क दिया गया कि : चिक्कमगलुरु निर्वाचन क्षेत्र से उच्च न्यायालय के आदेश के बाद केवल शुक्रवार को ही उन्हें निर्वाचित घोषित किया गया था। उन्हें अभी तक विधान परिषद (MLC) के सदस्य के रूप में औपचारिक शपथ नहीं दिलाई गई है। पार्टी सही समय आने पर सभी वरिष्ठ नेताओं को अवसर प्रदान करेगी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर विधान परिषद में हंगामा, सपा के विरोध के बीच सरकार का पलटवार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक का गवाह बना। समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सरकार पर निष्पक्ष जांच न कराने का आरोप लगाते हुए वेल में उतरकर जोरदार नारेबाजी की, जबकि नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार करते हुए सपा पर रामभक्तों पर गोली चलवाने का आरोप लगाया। लगातार हंगामे के कारण सभापति को सदन की कार्यवाही पहले 15 मिनट और बाद में 20 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गायन के साथ शुरू हुई। इसके बाद सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने पूर्व सदस्य जय प्रकाश चतुर्वेदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पढ़ा और सदन ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शून्यकाल में समाजवादी पार्टी के लाल बिहारी यादव, राजेंद्र चौधरी, डॉ. मान सिंह यादव, मुकुल यादव, आशुतोष सिन्हा, बलराम यादव, मोहम्मद जासमीर अंसारी, शाहनवाज खान और शाह आलम ने कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिए राम मंदिर में चढ़ावे की कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला उठाया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामले में सरकार निष्पक्ष जांच कराने में विफल रही है और केवल निचले स्तर पर कार्रवाई कर मामले को दबाने का प्रयास किया गया।

सरकार की ओर से जवाब देते हुए नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि रामलला का भव्य मंदिर पांच सौ वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद बना है और यह करोड़ों रामभक्तों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि रामभक्तों पर गोली चलवाने वाली पार्टी को मंदिर के मुद्दे पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जनता आगामी चुनाव में समाजवादी पार्टी को जवाब देगी। उपमुख्यमंत्री के वक्तव्य के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन की वेल में पहुंच गए। 'चंदा चोर गद्दी छोड़' और अन्य नारों के बीच सदन में भारी शोर-शराबा हुआ। स्थिति सामान्य न होने पर सभापति ने कार्यवाही पहले 15 मिनट और बाद में 20 मिनट के लिए स्थगित कर दी। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा। इसी दौरान भाजपा सदस्य डॉ. विजय बहादुर पाठक ने नियम-59 के तहत सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सदन की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश और देश की सांस्कृतिक विरासत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। डॉ. पाठक ने नियम-115 के तहत प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों का मुद्दा उठाते हुए लोक अदालत की तर्ज पर 'राजस्व जन अदालत' शुरू करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया : अखिलेश यादव

नई दिल्ली। बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया।

अखिलेश यादव ने अपनी बातों से उस वीडियो का जिक्र किया, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन यूपी में थे और उनके रोड शो के दौरान हनुमान के गेटअप में एक शख्स नाचता दिखाई दिया था। बांकीपुर और दतिया चुनाव में भाजपा को मिली हार के बाद यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर विपक्षी खेमों की ओर से लगातार पोस्ट किए गए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया।

नीट पेपर लीक प्रदर्शन मामले में प्रदर्शनकारियों को सुप्रीम राहत, 18 अगस्त को अगली सुनवाई

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने अदालत की कार्यवाही और मामले में हुई चर्चा की जानकारी दी। अधिवक्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने मीडिया को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के आदेश को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिन लोगों के खिलाफ हत्या, डकैती जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में एफआईआर दर्ज है, उनके मामलों में जांच जारी रहेगी। हालांकि, जो लोग केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल थे, उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की आगे की कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत ने यह स्पष्ट किया है कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों को अनावश्यक आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को आश्वस्त किया कि पुलिस आयुक्त और संबंधित एजेंसियों से आवश्यक निर्देश अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। निर्देश मिलने के बाद उनकी ओर से विस्तृत जवाब अदालत में दाखिल किया जाएगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन ने अदालत के समक्ष यह मांग रखी कि प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन और अन्य बल प्रयोग का इस्तेमाल कब, किस परिस्थिति में और किसके आदेश पर किया गया, इसका पूरा रिकॉर्ड अदालत के सामने पेश किया जाए। अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को निर्धारित की गई है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश के अनुसार संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों को अपना-अपना हलफनामा दाखिल करना होगा। इसके साथ ही पुलिस आयुक्त और अन्य एजेंसियों की ओर से भी जवाब दाखिल किए जाने की उम्मीद है। अदालत ने संकेत दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी या किसी हाई पावर कमेटी का गठन किया जा सकता है। 18 अगस्त की सुनवाई तक राज्यों के हलफनामे और पुलिस का जवाब अदालत के समक्ष आ जाएगा, जिसके बाद जांच के लिए किसी समिति या एजेंसी के गठन पर निर्णय लिया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगली सुनवाई में इस दिशा में कोई ठोस निष्कर्ष सामने आएगा। इस मामले की अगली सुनवाई अब 18 अगस्त को होगी।

भगवान देवनारायण धाम के समग्र विकास की मांग, राज्यसभा में अलका गुर्जर ने उठाई आवाज

नई दिल्ली। राज्यसभा में सांसद अलका गुर्जर ने भगवान देवनारायण जी की प्राकट्य स्थली मालासेरी डूंगरी तथा सवाई भोज क्षेत्र के एकीकृत विकास का मुद्दा उठाते हुए इसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र करोड़ों श्रद्धालुओं, विशेषकर गुर्जर समाज की आस्था का केंद्र है और इसके समग्र विकास से प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। अलका गुर्जर ने सदन को बताया कि केंद्र सरकार ने 'देव धाम योजना 2.0' के तहत 48.73 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस राशि से मालासेरी डूंगरी, सवाई भोज, बरनागर, साडू माता की बावड़ी और गठगोड़ा सहित पांच प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास प्रस्तावित है। उन्होंने मांग की कि इन सभी स्थलों को एक एकीकृत हेरिटेज एवं धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाए। साथ ही मालासेरी डूंगरी से सवाई भोज तक फोर-लेन सड़क, श्रद्धालुओं के लिए आवास, पार्किंग और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार भी सवाई भोज मंदिर के सौंदर्यीकरण सहित क्षेत्र के विकास के लिए पहले से कार्य कर रही है।

संपादकीय

झुंझुनूं में कैंसर जांच शिविर में सामने आई चिंता: इलाज के बाद भी कई मरीज नहीं छोड़ रहे तंबाकू

एजेंसी, थिंक राजस्थान

झुंझुनूं। महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर के श्रीराम कैंसर एवं सुपर स्पेशियलिटी सेंटर एवं नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बाबा गंगाराम अतिथि भवन में आयोजित निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर में जिले की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंताजनक तथ्य सामने आए। शिविर में जांचे गए मरीजों में सबसे अधिक संख्या तंबाकू सेवन से जुड़े मुंह के कैंसर के मरीजों की रही। विशेषज्ञों ने बताया कि कई मरीज इलाज पूरा होने के बाद भी गुटखा और तंबाकू का सेवन नहीं छोड़ रहे हैं, जिससे कैंसर दोबारा होने की आशंका बढ़ जाती है और उपचार का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। शिविर में कुल 122 मरीजों की जांच की गई। इस दौरान महिलाओं की मैमोग्राफी, पैप स्मीयर, चेस्ट एक्स-रे तथा ओरल कैंसर स्क्रीनिंग जैसी हजारों रुपये मूल्य की जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। अस्पताल की अत्याधुनिक 'कैंसर संजीवनी' मोबाइल स्क्रीनिंग यूनिट के माध्यम से मरीजों को आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। महात्मा गांधी अस्पताल की मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका चौधरी ने बताया कि तंबाकू सेवन मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि यदि स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर की पहचान शुरुआती चरण में हो जाए तो इलाज की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है और मरीज का खर्च भी कम आता है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और तंबाकू से दूरी बनाए रखने की अपील की। अस्पताल के जनसंपर्क निदेशक वीरेंद्र पारीक ने कहा कि लोग अक्सर मुंह के छाले, गांठ या अन्य शुरुआती लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। समय पर जांच और बायोप्सी नहीं कराने से कैंसर एडवांस स्टेज में पहुंच जाता है, जिससे इलाज जटिल और महंगा हो जाता है। शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने किया। उन्होंने ऐसे जनकल्याणकारी शिविरों की सराहना करते हुए कहा कि समय पर जांच और जागरूकता से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। शिविर में डॉ. प्रियंका चौधरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलम तथा दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीवनी ने मरीजों को निःशुल्क परामर्श एवं जांच सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर नर सेवा नारायण सेवा संस्थान ने स्व. सुलोचना देवी मोदी की पुण्य स्मृति में मोदी

परिवार के सहयोग से विशाल निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की आंखों की जांच कर मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए योग्य मरीजों का चयन किया। चयनित मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण, दवाएं, चश्मा, रहने और भोजन की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर के दौरान विशेषज्ञों ने लोगों को कैंसर और नेत्र रोगों के शुरुआती लक्षणों के प्रति जागरूक करते हुए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। चिकित्सकों ने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में बीमारी की पहचान होने पर उपचार अधिक प्रभावी, कम खर्चीला और सफल होता है। उन्होंने विशेष रूप से तंबाकू और गुटखा छोड़ने पर जोर देते हुए इसे कैंसर की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय बताया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों तक विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना तथा गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करना है। शिविर में पहुंचे मरीजों ने निःशुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराने पर आयोजकों का आभार व्यक्त किया। नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी समाजहित में स्वास्थ्य जांच, जागरूकता और उपचार से जुड़े ऐसे जनकल्याणकारी शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सके।

होलसेल भंडार बीकानेर की आर्थिक विपन्नता के कारण व्यावसायिक गतिविधियां बंद होने के कगार पर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर उपभोक्ता होलसेल भंडार आर्थिक अभाव के कारण परेशानी में है।

भंडार के अध्यक्ष नगेन्द्र पाल सिंह शेखावत ने एक जानकारी में बताया कि कर्मचारियों को माह जनवरी 2026 से पारिश्रमिक के अभाव में कभी भी बीकानेर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार की व्यावसायिक गतिविधियां बंद हो सकती है।अध्यक्ष शेखावत ने बताया कि आम उपभोक्ताओं तथा राज्य कर्मचारियों , पेंशनर आदि को उचित मूल्य पर उपभोक्ता सामग्री ,दवाइयां तथा दैनिक गैस आपूर्ति भी बाधित हो सकती है। अध्यक्ष ने बताया कि आरजीएचएस की राशि का बकाया भुगतान,गबन घोटालों की राशि की ठोस वसूली।

अग्रवाल सम्मेलन में नई नियुक्तियां, जिला महामंत्री व कोषाध्यक्ष मनोनीत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

झुंझुनूं। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (पूर्वी राजस्थान) ने झुंझुनूं जिले में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से नई नियुक्तियां की हैं। प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग और प्रदेश महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने संदीप केडिया एवं सुदीप गोयल को जिला महामंत्री, जबकि रामावतार अग्रवाल को जिला कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है। नियुक्तियां राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल की सहमति से की गईं। नवमनोनीत पदाधिकारियों ने संगठन के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व तथा जिलाध्यक्ष श्यामसुंदर जालान नूआंवाला का आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार कर आगामी सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। संगठन ने विश्वास जताया कि तीनों पदाधिकारी अपने अनुभव और सक्रियता से समाज को नई दिशा देंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वे संगठन की विचारधारा और उद्देश्यों के अनुरूप समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने का प्रयास करेंगे। उन्होंने सामाजिक एकता, युवा सहभागिता और सेवा कार्यों को गति देने का संकल्प भी व्यक्त किया। इसके साथ ही समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान, सेवा कार्यों और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी नियमित रूप से किया जाएगा।

मोबाइल आधार सेवा केंद्रों पर राज्य के विद्यार्थियों के निःशुल्क अपडेट होंगे नामांकन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। भारत सरकार की विद्यार्थियों के आधार नामांकन संबंधी महत्वपूर्ण योजना के तहत राज्य के 295 ब्लॉकों में मोबाइल आधार सेवा केंद्र संचालित किए जाएंगे। इस कार्य के लिए यूआईडीएआई द्वारा उपलब्ध कराई गई आधार एनरोलमेंट किटों के संचालन हेतु रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को अधिकृत किया गया है। संस्था अगले पांच वर्षों तक विद्यालयों में विद्यार्थियों का निःशुल्क आधार नामांकन और अपडेट कार्य करेगी। इसके लिए विद्यार्थियों या विद्यालयों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देशों के अनुसार रेलटेल निर्धारित रूट चार्ट के आधार पर ब्लॉक स्तर पर आधार सेवा केंद्र संचालित करेगी। जिला स्तर पर एडीपीसी को जिला नोडल अधिकारी तथा एपीसी/पीओ आईसीटी को सह नोडल अधिकारी बनाया गया है। ब्लॉक स्तर पर सीबीईओ नोडल अधिकारी एवं एसीबीईओ (द्वितीय) सह नोडल अधिकारी रहेंगे। जिला कार्यालय ब्लॉकों से समन्वय कर आधार नामांकन व अपडेट कार्य की निगरानी करेगा। परिषद स्तर पर सत्यापित ऑपरेटर को ही आधार एनरोलमेंट किट संचालन की अनुमति दी जाएगी। किट हैंडओवर से पूर्व उसकी क्रियाशीलता का सत्यापन भी अनिवार्य होगा। निर्देशों में कहा गया है कि रूट चार्ट इस प्रकार बनाया जाए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी विद्यालयों में छूटे हुए विद्यार्थियों का आधार नामांकन तथा आवश्यक होने पर मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट कराया जा सके। शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को योजना की जानकारी देने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण का आयोजन रेलटेल द्वारा किया जाएगा तथा आधार किट का संचालन केवल निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार ही किया जा सकेगा। प्रतिदिन संचालन एवं संधारण की सूचना ब्लॉक नोडल अधिकारी जिला नोडल अधिकारी को भेजेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर करोड़ों की हेरोइन और हथियार पकड़े

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र खाजूवाला में पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की हेरोइन और हथियारों का जखीरा जब्त कर सरहद पार से होने वाली तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। पुलिस के 'ऑपरेशन शॉक वेव' के तहत की गई इस कार्रवाई को स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। कार्रवाई खाजूवाला थाना क्षेत्र के 8 केवाईडी के पास की गई। मौके पर बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश और जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा स्वयं पहुंचे तथा पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग की। पुलिस ने एक आरोपी वीरेंद्र सिंह को डिटेन किया है तथा एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई में करीब 10 किलो हेरोइन बरामद की गई है। इसके अलावा 11 हथियार, 22 मैगजीन तथा 100 कारतूस भी जब्त किए गए हैं। बरामद माल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है।

राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अंगदान जागरूकता के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर/नई दिल्ली। अंगदान जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अंगदान संकल्प अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा।भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (NOTTO) द्वारा आयोजित 16वें इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे समारोह में राजस्थान को "स्टेट अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस" से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने यह सम्मान राजस्थान की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता, सोटो राजस्थान की संयुक्त निदेशक डॉ. चित्रा सिंह, आईईसी कंसल्टेंट डॉ. धर्मेश तथा अतिरिक्त निदेशक डॉ. ममता को प्रदान किया। राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाने तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को संवेदनशील और जनकेंद्रित बनाने के सतत प्रयासों का परिणाम है। अंगदान किसी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा मानवीय उपहार है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक अंगदान के महत्व को समझे और इस महाअभियान से जुड़े, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सके। राजस्थान को प्राप्त यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश में अंगदान के क्षेत्र में विकसित हुई मजबूत संस्थागत व्यवस्था, प्रभावी समन्वय और जनभागीदारी का प्रमाण है। चिकित्सा शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन , चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से अंगदान जागरूकता अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप मिला है।

नाल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन : 1,437 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। जिले के नाल स्थित स्काई वर्ड पार्क (नेशनल हाईवे-11, नाल रेलवे पुलिया के पास) में सुमन कंवर चैरिटेबल ट्रस्ट, जयमलसर के तत्वावधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्व. सुमन कंवर राजपुरोहित (धर्मपत्नी हरिकिशन सिंह राजपुरोहित, जोरावरपुरा) की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित इस शिविर में मानव सेवा का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला।

'36 कौम' के युवा साथी ढोल-ताशों की थाप पर नाचते-गाते शिविर स्थल पहुंचे। बृजमोहन पड़िहार की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में कुल 1,437 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ, जो कि ग्रामीण क्षेत्र के लिहाज से एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शिविर में कई प्रमुख राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने शिरकत कर रक्तवीरों का हौसला बढ़ाया। साथ ही पुलिस कर्मियों ने स्वयं रक्तदान कर मिसाल पेश की।

गोगामेड़ी मेले की तैयारियां तेज: डीआरएम गौरव गोविल ने किया निरीक्षण, श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर मंडल रेल प्रबंधक गौरव गोविल ने गोगामेड़ी मेले के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित रेल संचालन को लेकर गोगामेड़ी स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता, भीड़ प्रबंधन, पेयजल, चिकित्सा सहायता, उद्घोषणा प्रणाली और टिकट व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। मेले के दौरान अतिरिक्त टिकट खिड़कियां खोली जाएंगी तथा एम-यूटीएस (मोबाइल अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम) के माध्यम से भी टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। डीआरएम ने अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गोगामेड़ी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

कर प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर, स्टेशन भवन और अन्य यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद डीआरएम ने सादुलपुर रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 18.70 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन के प्रथम चरण का पुनर्विकास पूरा हो चुका है। स्टेशन पर आधुनिक भवन, अलग प्रवेश-निकास मार्ग, पार्किंग, नए शौचालय, एलईडी लाइटिंग, डिजिटल सूचना प्रणाली, बड़े एलईडी स्क्रीन और दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं विकसित की गई हैं। वहीं करीब 8.84 करोड़ रुपये की लागत से 12 मीटर चौड़ा फुटओवर ब्रिज निर्माणाधीन है, जबकि 40 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है। गोविल ने कहा कि स्टेशनों के आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है।

माँढण में अनियंत्रित कार ने मचाया तांडव : 5 पलटी खाकर खड़ी टाटा नेक्सॉन पर चढ़ी स्विफ्ट डिजायर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बहरोड़/मांढण। स्टेट हाईवे-111 पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। बहरोड़ से कुंड की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित होकर कई बार पलटी खाते हुए सड़क किनारे खड़ी एक टाटा नेक्सॉन गाड़ी पर जा चढ़ी। इस भीषण टक्कर में स्विफ्ट डिजायर में सवार दो युवक चोटिल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना डाबड़वास चौक से पहले बहरोड़ साइड की ओर हुआ । बहरोड़ की ओर से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार की गति काफी तेज थी। अचानक चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया, जिससे कार सड़क पर करीब पांच बार पलटी और किनारे खड़ी टाटा नेक्सॉन पर जा गिरी। गनीमत यह रही कि दुर्घटना के समय टाटा नेक्सॉन में मौजूद ड्राइवर पूरी तरह सुरक्षित बच गया। हादसा होते ही आसपास मौजूद स्थानीय लोग तुरंत मौके की ओर दौड़े और राहत कार्य शुरू किया।

ग्रामीणों ने मुस्तैदी दिखाते हुए क्षतिग्रस्त कार में फंसे दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए माँढण अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से एक युवक की पहचान सचिन के रूप में हुई है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों युवकों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है।

शुरुआती जांच में हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और वाहन पर से नियंत्रण खोना माना जा रहा है।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही, लेकिन पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थिति जल्द सामान्य कर दी गई। पुलिस ने दोनों वाहनों की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं तथा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

चूरू में सभा के दौरान नाराज हुए हनुमान बेनीवाल, माइक फेंककर बीच भाषण से लौटे

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के सुप्रीमो एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल रविवार देर रात चूरू जिले के तालछापर कस्बे में पार्टी कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान नाराज होकर मंच छोड़कर चले गए। संबोधन के दौरान सामने बैठे कुछ युवाओं के लगातार शोर-शराबे से बेनीवाल नाराज हो गए। कई बार शांत रहने की अपील के बावजूद जब व्यवधान नहीं रुका तो उन्होंने भाषण बीच में ही रोक दिया, माइक मंच पर फेंका और कार्यक्रम से रवाना हो गए। सभा को संबोधित करते हुए बेनीवाल अपने राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान कुछ युवाओं के लगातार शोर मचाने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि, 'तुमने नेता देखा है कि नहीं? तुम लोग बावले क्यों हो रहे हो?' उन्होंने युवाओं से अनुशासन बनाए रखने की अपील भी की, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। शोर जारी रहने पर बेनीवाल ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा, 'मैं दोबारा यहां नहीं आऊंगा। अभी बिना भाषण दिए चला जाऊंगा। किसी का समय खराब मत करो।' उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या शोर मचाने वाले युवाओं को किसी विरोधी ने भेजा है और आयोजकों से ऐसे लोगों को कार्यक्रम में बैठाने पर आपत्ति जताई। अपने संबोधन के दौरान बेनीवाल ने चूरू की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा,

''इस जिले की राजनीति की वजह से मेरी राजस्थान में जगह-जगह दुश्मनी हुई।

जब चूरू के लोगों पर अत्याचार हुआ तो मैं उनके साथ खड़ा रहा, लेकिन बाद में कई नेता बीजेपी और कांग्रेस में चले गए। मैं रात-रात भर संघर्ष करता रहा, लेकिन मुझे नहीं पता था कि लोग इतने कमजोर हो जाएंगे।'' बेनीवाल के अचानक मंच छोड़कर जाने से कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ता और स्थानीय लोग हैरान रह गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मंच से उतरने के बाद कुछ पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हनुमान बेनीवाल को मनाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने कार्यक्रम में दोबारा लौटने से इनकार कर दिया।

राजस्थान/ प्रादेशिक

जन शिकायतों के निस्तारण को 15 दिन की समयसीमा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। चूरू के जिला परिषद सभागार में सोमवार को आयोजित जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक में लंबित जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया गया। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कर 15 दिनों के भीतर अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विधायक हरलाल सहारण ने भी अधिकारियों से जनहित के मामलों का संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने की। विधायक हरलाल सहारण ने अधिकारियों एवं समिति सदस्यों से दर्ज मामलों की जानकारी ली और कहा कि जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नियमानुसार किया जाए। बैठक में एसीईओ भागचंद खारिया, एसडीएम धीरज झाझड़िया, रतनगढ़ एसडीएम मिथिलेश, सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

घांघू में सावन के पहले सोमवार पर उमड़ी भीड़

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सावन के पहले सोमवार को गांव के शिवालयों में शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक किया। इस दौरान शिवालयों में दिनभर 'हर हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे। सुबह से ही ठाकुर जी मंदिर स्थित शिवालय और जीण माता मंदिर स्थित शिवालय में महिला-पुरुषों, नवयुवतियों और बच्चों का तांता लगा रहा। महिलाओं ने शिव-पार्वती से जुड़े मंगलगीत गाकर भगवान भोलेनाथ की स्तुति की। इस अवसर पर पुजारी नंदलाल शर्मा, सिम्मी कंवर, गोपाल पुजारी, सुनील जांगिड़, सावित्री कपूरिया, नम्रता, ममता, मैना, पुष्पा, नवीन, कृष्णा सहित अनेक महिला, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

83 लाख की चोरी का खुलासा नहीं होने पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, हाईवे पर धरना; 19 अगस्त तक पुलिस को अल्टीमेटम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दांतारामगढ़/सीकर। सीकर जिले के दांतारामगढ़ क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं और हाल ही में हुई 83 लाख रुपये की चोरी का खुलासा नहीं होने से ग्रामीणों का आक्रोश सोमवार को सड़कों पर फूट पड़ा। कुली-खाचरियावास गांव के बस स्टैंड स्थित स्टेट हाईवे पर बड़ी संख्या में ग्रामीण धरने पर बैठ गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चोरी की वारदात का जल्द खुलासा करने की मांग की। प्रदर्शन को कुली कस्बे के व्यापारियों का भी समर्थन मिला। व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर धरने में भाग लिया और क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई। प्रदर्शन के दौरान दांतारामगढ़ पुलिस थाने का जाब्ता मौके पर तैनात रहा, जिससे कानून-व्यवस्था बनी रही। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की कि हालिया चोरी का शीघ्र खुलासा किया जाए, खाचरियावास पुलिस चौकी में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए, अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराए जाएं, रात्रि गश्त बढ़ाई जाए, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा नियमित जनसंवाद आयोजित किए जाएं। धरने के दौरान जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सुआलाल जाट ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है तथा जल्द ही मामले के खुलासे की उम्मीद है। समाजसेवी श्रवण बुरड़क ने कहा कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से आमजन में भय का माहौल है। उन्होंने पुलिस से जल्द कार्रवाई कर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। जनप्रतिनिधि श्योजी राम (चक) ने कहा कि यदि पुलिस समय रहते चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं करती है तो ग्रामीणों का आंदोलन और अधिक व्यापक रूप लेगा। स्थानीय निवासी मंजू भैड़ा ने कहा कि चोरी की वारदात के बाद ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने गांव में नियमित पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

महलपुरकाछी के राजकीय स्कूल में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैली

एजेंसी, थिंक राजस्थान

रूपबास(भरतपुर)। क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महलपुरकाछी में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत प्रधानाचार्य नंदकिशोर शर्मा के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा एक विशाल जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'राजू-मीना मंच' का पुनर्गठन भी किया गया। शिक्षाविद कृष्णसिंह बैसला ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में नामांकन (Admission) बढ़ाने, प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा राजू-मीना मंच के माध्यम से विद्यार्थियों को सजग और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रत्येक बच्चे को स्कूल से जोड़ने के लिए सभी अपना पूरा सहयोग दें।

स्कूली विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का पाठ, परिवहन निरीक्षक ने सीपीआर का दिया प्रशिक्षण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रादेशिक परिवहन अधिकारी जगदीश अमरावत के निर्देशानुसार कालोता स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिवहन निरीक्षक झाबर सिंह धायल ने विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं के कारणों, बचाव के उपायों और यातायात नियमों की पालना के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षक धायल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं अक्सर क्षणिक मानवीय भूल का परिणाम होती हैं, जिन्हें जागरूकता और सावधानी से काफी हद तक टाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि ओवर स्पीड, गलत ओवरटेकिंग, नशे या थकान की स्थिति में वाहन चलाना, ओवरलोडिंग, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, हेलमेट व सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना तथा यातायात नियमों की अनदेखी सड़क हादसों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क संकेतकों और सड़क पर बनी विभिन्न लाइनों की जानकारी देते हुए कहा कि सड़क की भी अपनी एक मूक भाषा होती है। यदि वाहन चालक इन संकेतों को समझकर वाहन चलाएं तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। धायल ने बताया कि संशोधित मोटर वाहन अधिनियम-2019 की धारा 134ए के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले नागरिक से अस्पताल या पुलिस द्वारा अनावश्यक पूछताछ नहीं की जाती तथा उन्हें कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है।

कम तौल एवं बिना पंजीकरण कारोबार पर जयपुर में किराना किंग एवं झंडेवालास फूड पर विधिक माप विज्ञान विभाग की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उपभोक्ताओं को सही तौल एवं निर्धारित मात्रा में वस्तुएं उपलब्ध कराने तथा बाजार में निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता मामले मंत्री श्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार विधिक मापविज्ञान विभाग द्वारा संचालित विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जयपुर जिले में विभिन्न प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कम तौल, बिना पैकर्स पंजीकरण तथा अप्रमाणित वजन एवं माप उपकरणों के उपयोग जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1,67,000 का जुर्माना लगाया है। निरीक्षण के दौरान किराना किंग, जयपुर में 500 ग्राम के पास्ता पैकेट के नेट कंटेंट परीक्षण में निर्धारित मात्रा से कम सामग्री पाई गई। विभाग ने कम तौल के 500 पास्ता पैकेट जब्त किए। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठान के पास पैकर्स पंजीकरण नहीं था तथा अप्रमाणित वजन एवं माप उपकरण का उपयोग किया जा रहा था। इन अनियमितताओं पर 57,000 का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार झंडेवालास फूड लिमिटेड में 'नमन देसी घी' के 15 किलोग्राम पैक के परीक्षण में कम तौल की अनियमितता पाए जाने पर 380 पैकेट जब्त किए गए तथा 50,000 का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त नानाजी फूड प्रोडक्ट्स में पैकर्स पंजीकरण के अभाव एवं अप्रमाणित वजन एवं माप उपकरण पाए जाने पर 21,000, रारा उद्योग, बगरू रीको में अप्रमाणित उपकरण पाए जाने पर 8,000, समस्ता फूड्स प्रा. लि., सांगानेर में अप्रमाणित उपकरण पाए जाने पर 16,000 तथा एस.एस. एंटरप्राइज, मालवीय नगर में पैकर्स पंजीकरण के अभाव एवं अप्रमाणित उपकरण पाए जाने पर 15,000 का जुर्माना लगाया गया।

रोटरी क्लब टोंक बनास द्वारा सावन में सत्संग स्थल पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। रोटरी क्लब टोंक बनास द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से सावन माह के अंतर्गत प्रत्येक सोमवार चलाए जा रहे पौधारोपण अभियान की श्रृंखला में आज सद्गुरु कबीर उदित नाम साहेब आश्रम (गलतान दास जी की बगीची) में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब टोंक बनास के अध्यक्ष रोटेरियन तुशांत टिक्किवाल ने प्रभुदास जी महाराज का सम्मान किया। रोटरी क्लब टोंक बनास के सचिव रोटेरियन सीए आकाश जैन ने बताया कि क्लब द्वारा सावन माह में प्रत्येक सोमवार को विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर रोटेरियन रोहिताश कुमावत, रोटेरियन डॉ. प्रदीप गहलोत, राष्ट्रीय कवि प्रदीप जी पंवार, रोटेरियन बादल साहू एवं रोटेरियन प्रमोद शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्रावण के पहले सोमवार पर हर्षनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, पंचमुखी महादेव का हुआ भव्य रुद्राभिषेक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर सीकर की सबसे ऊंची पहाड़ी पर स्थित प्राचीन हर्षनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दिनभर मंदिर परिसर "हर-हर महादेव" और "ॐ नमः शिवाय" के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान पंचमुखी हर्ष महादेव के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। हर्षनाथ ग्रुप के तत्वावधान में भगवान शिव का पंचामृत, गंगाजल, गंगोत्री जल तथा लोहार्गल धाम के पवित्र तीर्थजल से विधि-विधानपूर्वक रुद्राभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आचार्य प्रदीप शास्त्री एवं कृष्ण शास्त्री ने राजोपचार पूजा और रुद्राष्टाध्यायी का पाठ कराया। रुद्राभिषेक के बाद भगवान पंचमुखी हर्ष महादेव की भव्य महाआरती हुई। चंदन, भस्म, दीप और वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न आरती में शामिल श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए।

उपस्थित भक्तों ने इस आध्यात्मिक वातावरण को अविस्मरणीय बताया। हर्षनाथ ग्रुप के डॉ. मुकेश शर्मा ने बताया कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। हर्षनाथ मंदिर में पूरे श्रावण मास प्रतिदिन रुद्राभिषेक किया जाएगा, जबकि चारों सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। इस अवसर पर डॉ. मुकेश शर्मा, आचार्य प्रदीप शर्मा, अजीत जाट, शुभम मिश्रा, प्रताप सिंह चारण, चंद्रवेश चोटिया, नवनीत मिश्रा, पूजा शर्मा, अभिषेक, प्रदीप शास्त्री, गोपी कंवर, सुनील पारमुवाल, कृष्णा चेजारा सहित हर्षनाथ ग्रुप के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रावण के प्रथम सोमवार पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था। दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं, वहीं मंदिर समिति और प्रशासन की ओर से दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के समुचित प्रबंध किए गए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान हर्षनाथ महादेव के दर्शन एवं पूजन का लाभ लेने का आग्रह किया।

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार पेंशनर्स सोसाईटी का 14वां वार्षिक समारोह संपन्न, 75 वर्ष पूर्ण कर चुके वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। 'श्री ब्राह्मण स्वर्णकार पेंशनर्स सोसाईटी, बीकानेर (रजि.)' का 14वां वार्षिक सम्मान समारोह पंचायती भवन सभागार में बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ नागरिकों, प्रतिभाओं और विशिष्ट अतिथियों का शॉल, श्रीफल व सम्मान पत्र भेंट कर नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। युवा गायक गौरीशंकर सोनी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद संस्था सचिव प्रेमप्रकाश महेचा ने स्वागत भाषण देते हुए सोसाइटी की वार्षिक गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

अध्यक्षीय संबोधन (गणेश सोनी): समाजसेवी गणेश सोनी ने कहा कि जो व्यक्ति समर्पित भाव और साफ़ नीयत से समाज सेवा करता है, भगवान और समाज दोनों उसका साथ देते हैं। मुख्य अतिथि (डॉ. नन्दकिशोर बाड़मेरा): शिक्षाविद डॉ. बाड़मेरा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारित होना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बच्चों को अपने घर के बुजुर्गों के साथ समय बिताना चाहिए, जिससे पारिवारिक मूल्य और संस्कार मजबूत होते हैं।

विशिष्ट अतिथि (सेवाराम सोनी व चांदमल बाडमेरा): अतिथियों ने युवाओं को बेरोजगारी की चुनौतियों के बीच सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

समारोह में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके समाज के वरिष्ठजनों का पुष्पमाला, शॉल, सम्मानपत्र, दुपट्टा (अपर्णा) और श्रीफल भेंटकर मंच द्वारा भावभीना सम्मान किया गया- सम्पत्त देवी (पत्नी स्व. सत्यनारायण जसमतिया), श्रीमति कमलादेवी (पत्नी स्व. श्री सम्पत्तलाल कट्टा), केशरीचन्द मंडोरा (पुत्र स्व. धनराज मंडोरा), ओमप्रकाश बाड़मेरा (पुत्र स्व. द्वारकादास बाड़मेरा)।

कार्यक्रम में बाल कलाकार तन्वी और नील सोनी ने श्रीमद्भगवद्गीता के सस्वर श्लोक सुनाकर सभागार में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके साथ ही समाज के सुरीले गायकों—ज्ञानेश्वर सोनी, पवन प्यारे, गौरीशंकर सोनी, राधाकिशन भजूड, ज्ञानू मीनाकार, नरेंद्रकुमार सोनी तथा उभरती प्रतिभाओं शिवानी सोनी व योगेश सोनी ने संगीतमय प्रस्तुतियां देकर समां बांधा। सभी कलाकारों और समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल व कुशल मंच संचालन प्रसिद्ध कवि एवं कथाकार राजाराम स्वर्णकार ने किया।

निरोधात्मक दलों ने की अवैध मदिरा जब्त

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, भण्डारण एवं परिवहन पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत आबकारी निरोधक दलों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। निरोधात्मक गतिविधियों में वृद्धि शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने में सहायक रही है। प्रदेश में आबकारी निरोधक दलों के कार्रवाई के तहत चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा एवं बेगूं की आबकारी टीम की संयुक्त कार्रवाई में 250 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 13 बोतल अवैध हथकड़ मदिरा जब्त कर 3 अभियोग दर्ज किए। आबूरोड़ में आबकारी निरोधक दल एवं आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 94 बीयर केन बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य जिलों में भी निरोधात्मक कार्रवाई के तहत गश्त, नाकाबंदी व दबिश दी जा रही है जिससे अवैध मदिरा पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इसके लिए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी, नियमित गश्त और विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मनोरंजन समाचार

जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया और परिवार के साथ बिताए गए खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया और अपने परिवार के साथ बिताए कुछ खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं। एक्ट्रेस ने अपनी खुशी भरे निजी पलों की झलक दिखाते हुए इन तस्वीरों को "इतना प्यारा कि पोस्ट किए बिना रहा नहीं गया" बताया। इन तस्वीरों में प्यारी सेल्फी, परिवार के साथ बिताए पल और यादगार तस्वीरें शामिल हैं। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, "मैंने कोशिश तो की, लेकिन ये तस्वीरें इतनी प्यारी थीं कि इन्हें पोस्ट किए बिना नहीं रह सकी।"

एक तस्वीर में जाह्नवी शिखर पहाड़िया का हाथ थामे पोज देती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में एक्ट्रेस नीली ड्रेस में शानदार पोज देती दिख रही हैं। कुछ और तस्वीरों में जाह्नवी अपने पिता बोनी कपूर और बहन खुशी कपूर के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में एक्ट्रेस चमकीले सिल्वर लहंगे में दिख रही हैं। एक और तस्वीर में जाह्नवी शिखर पहाड़िया के साथ डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी यादगार पलों में सबसे अधिक ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें जाह्नवी पोज देते हुए शिखर का हाथ पकड़े हुए हैं। पिछले कुछ समय से जाह्नवी को कई पब्लिक इवेंट्स और आउटिंग्स में शिखर के नाम वाला पर्सनलाइज्ड नेकलेस पहने हुए देखा गया है। खबरों के मुताबिक, जाह्नवी और शिखर रिलेशनशिप में हैं और कई सालों से साथ हैं।

अमेज़न प्राइम वीडियो के वी गॉट यू गर्ल के सेट पर बर्खा सिंह ने मनाया अपना बर्थ डे

ज़्यादातर लोगों के लिए जन्मदिन का मतलब होता है केक, जश्न और एक दिन की छुट्टी। लेकिन बर्खा सिंह के लिए बर्थडे का मतलब है सिर्फ लाइट्स, कैमरा और एक्शन। क्रिमिनल जस्टिस 4 और द सबरमती रिपोर्ट में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, बर्खा ने अपना खास दिन वहीं बिताने का फैसला किया जहां उन्हें सबसे ज़्यादा सुकून मिलता है, यानी शूटिंग सेट पर। इस बार वह अपना जन्मदिन अमेज़न प्राइम वीडियो के अपकमिंग रियलिटी शो वी गॉट यू गर्ल की शूटिंग करते हुए मना रही हैं।

इस महीने रिलीज़ होने जा रहा यह बहुप्रतीक्षित शो बर्खा के लगातार आगे बढ़ते करियर में एक और बड़ी उपलब्धि साबित होने वाला है। डिजिटल दुनिया की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में अपनी अलग पहचान बना चुकी बर्खा अब एंटरटेनमेंट की एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रख रही हैं। अमेज़न प्राइम वीडियो के इस ओरिजिनल शो के साथ उनके करियर में एक और शानदार उपलब्धि जुड़ने जा रही है। वी गॉट यू गर्ल के ज़रिए बर्खा एक बार फिर कुछ नया और अलग करने जा रही हैं। हालांकि शो से जुड़ी ज़्यादातर जानकारियां अभी भी राज़ रखी गई हैं, लेकिन इतना तय है कि इसका फ्रेश और हाई-एनर्जी फॉर्मेट दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखने वाला है। अपने वर्किंग बर्थडे पर बर्खा सिंह कहती हैं, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि असली निरंतरता खास मौकों पर नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के काम में बनती है। इसलिए अपने जन्मदिन पर सेट पर होना मेरे लिए बिल्कुल स्वाभाविक है। हर दिन कुछ नया सीखना, टीम के साथ मिलकर काम करना और हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को पहले से बेहतर बनाने की कोशिश करना मुझे बेहद संतुष्टि देता है। आज मैं उन सभी मौकों के लिए दिल से आभारी हूं जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाया। आगे भी मैं एक कलाकार के तौर पर खुद को और दर्शकों दोनों को नए-नए अंदाज़ में चौंकाती रहना चाहती हूं। जल्द ही वह बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक IRS अधिकारी की दमदार भूमिका निभाती नज़र आएंगी।

'मुझे संघी बनना है', कंगना रनौत ने शेयर कीं अपनी फीलिंग्स, बोलीं- जागरूक हिंदू में कन्वर्ट होना चाहती हूं

एक्टर और BJP सांसद कंगना रनौत पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। पिछले कुछ दिनों से सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर एक्ट्रेस अपनी नाराजगी जताती आ रही हैं। हाल ही में कंगना रनौत ने लिबरल्स पर तंज कसते हुए अपनी बचपन की यादें साझा की थीं। अब कंगना ने उन लोगों को जवाब दिया है जो पार्टी करने और फिल्म प्रमोशन के उनके पुराने वीडियो को शेयर करते हुए उन्हें निशाने पर ले रहे हैं। कंगना ने इस वीडियो में साफ शब्दों में कहा कि उन्हें अपने फैसले लेने का वैसे ही अधिकार है, जैसे अन्य लोगों को है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में कंगना ने 'संघी' बनने की इच्छा जाहिर करते हुए 'जागरूक' हिंदू बनने के अपने फ़ैसले का बचाव किया।

हिप इंजरी के बाद रश्मिका मंदाना का छलका दर्द, फैंस को दिया हेल्थ अपडेट, बोलीं- ये मेरी तीसरी चोट है

रश्मिका मंदाना ने आखिरकार अपनी हिप इंजरी के बाद फैंस को हेल्थ अपडेट दी है, जिसकी वजह से इस साल की शुरुआत में उनका काम रुक गया था। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थी कि 'मैसा' के लिए एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उन्हें हिप में गंभीर चोट लगी है तो अब रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने ठीक होने के बारे में फैंस को खुद जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्या हुआ था और सभी को भरोसा दिलाया कि वह धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं।

नेशनल क्रश ने कैप्शन में बताया कि यह चोट कुछ समय पहले Mysaa के लिए एक डांस शूट के दौरान लगी थी। उन्होंने बताया कि यह उनकी लगातार तीसरी चोट है और समझाया कि उनके दाहिने हिप का एक टेंडन अलग हो गया है। इसे ठीक से पैर उठाने के लिए दोबारा जुड़ना जरूरी है। रश्मिका मंदाना ने अपनी सेल्फी, कुकीज और पजल्स की तस्वीरें शेयर की। इस पोस्ट में शुभकामनाओं वाला फूलों का गुलदस्ता और उनके पालतू कुत्तों की झलकियां दिखाई है। रश्मिका ने अपनी बात 'हाय गाइज!' से शुरू की और लिखा, 'चोट लगना बहुत बुरा होता है' साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि किसी को इसके बारे में पता नहीं चलेगा।

उन्होंने कुछ समय तक गायब रहने के लिए माफी भी मांगी और लिखा, 'सॉरी कि मैं गायब थी, लेकिन हाय! मैं वापस आ गई हूं!' रश्मिका मंदाना ने बताया कि चोट कुछ समय पहले लगी थी और कहा कि उन्हें अपने शरीर को 'किसी मशीन की तरह नहीं, बल्कि एक इंसान के शरीर की तरह' ठीक करना है और उसका ध्यान रखना सीखना चाहिए। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें यह चोट 'मैसा' के डांस शूट के दौरान लगी। उन्होंने इस फिल्म के बारे में कहा, 'यह पक्का अब तक की मेरी सबसे जबरदस्त एग्रेसिव फिल्म है!' उन्होंने फैंस को बताया कि दर्द इतना भी ज्यादा नहीं था कि सहा न जा सके और कहा कि यह ब्रेक एक तरह से जबरदस्ती का ठहराव था, जो वह खुद कभी नहीं लेतीं। पोस्ट में आगे लिखाः 'ये कुछ समय पहले हुआ था और ये लगातार मेरी तीसरी चोट है। मुझे पक्का अपने शरीर को एक इंसान के शरीर की तरह ट्रीट करना सीखना चाहिए, न कि किसी मशीन की तरह, लेकिन खैर चोट असल में इसे कैसे समझाऊं (बायोलॉजी टीचर के लिए जगह बनाओ) तो आपके हिप के दोनों तरफ 4 टेंडन होते हैं जो आपके हिप को पैर से जोड़ते हैं और मेरे दाहिने हिप का एक टेंडन अलग हो गया था। उसे वापस जुड़ना होगा ताकि मैं अपना पैर उठा सकूं और बाकी काम कर सकूं और ये 'मैसा' के लिए मेरे डांस शूट के दौरान हुआ। हे भगवान, ये पक्का अब तक की मेरी सबसे जबरदस्त फिल्म रही है! लेकिन चिंता मत करो... दर्द तो है, लेकिन ऐसा नहीं है कि सहा न जाए तो बस यही बात है और मुझे लगता है कि भगवान कह रहे हैं कि अगर तुम पर छोड़ दिया जाए तो तुम कभी ब्रेक नहीं लोगी, इसलिए लो मैं तुम्हारे लिए ये कर देता हूं! पता है मुझे जो भी चोटें लगी हैं, वे अचानक और अजीब तरह से लगी हैं - अजीब हादसे।' रश्मिका मंदाना ने अपने रेगुलर वर्कआउट रूटीन को मिस करने के बारे में भी बात की।

असम की बाढ़ में फंसी देवोलीना भट्टाचार्जी की मां, एक्ट्रेस का छलका दर्द, रोते हुए सुनाई आपबीती

टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी का परिवार भी असम बाढ़ की वजह से मुसीबत में है। 'साथ निभाना साथिया' की गोपी बहू ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फूट-फूटकर रोती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने असम बाढ़ में फंसी उनकी मां और परिवार को हुए नुकसान के बारे में बताया है। इस बारे में बात करते वक्त वह अपने आंसू नहीं रोक पाईं, जब उन्होंने बताया कि बाढ़ से वहां के लोगों और परिवार के दूसरे सदस्य कैसे प्रभावित हुए हैं। एक्ट्रेस ने फैंस से राज्य के लिए मदद करने की अपील की और वह खुद भी राहत कार्यों में लगी हुई हैं। ऑनलाइन वायरल हो रहे एक वीडियो में देवोलीना को असम में आई बाढ़ के बारे में बात करते हुए और भावुक होते देखा जा सकता है। फेसबुक लाइव के दौरान, राहत कार्यों के लिए अपील करते हुए एक्ट्रेस भावुक हो गईं। बड़ी मुश्किल से अपने आंसू रोकते हुए, उन्होंने बताया कि उनकी मां अभी बाढ़ से प्रभावित नजीरा में फंसी हुई हैं, जिससे वह परेशान और बेबस महसूस कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी दादी और परिवार के दूसरे सदस्यों के घर भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहाः 'मुझे बहुत खेद है। इसी वजह से मैं वीडियो नहीं बना पा रही थी। मुझे पता था कि मैं भावुक हो जाऊंगी। शिवसागर और नजीरा वे जगहें हैं, जहां मैं बड़ी हुई हूं। मेरा जन्म वहीं हुआ था और मेरी स्कूलिंग-कॉलेज की पढ़ाई भी वहीं हुई थी। दुख की बात है कि मेरी मां अभी भी नजीरा में फंसी हुई हैं। भगवान की कृपा से हमारा पुराना घर ऐसे इलाके में है, जहां पूरी तरह से बाढ़ नहीं आई है।' हालांकि, परिवार के दूसरे सदस्य बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उनकी नानी और मासी के घर पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। एक्ट्रेस देवोलीना ने भावुक होकर कहा, 'सब कुछ खत्म हो गया है। कुछ भी नहीं बचा है। जैसा कि आप वीडियो में देख सकते हैं, वहां बिल्कुल कुछ भी नहीं बचा है।' देवोलीना राहत कार्यों में मदद कर रही हैं। वहीं स्टार्स भी असम बाढ़ पीड़ितों की मदद में लगे हुए हैं। PTI के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि असम सरकार ने सोमवार को इस साल की बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित 75,000 से ज्यादा परिवारों के लिए लगभग 160 करोड़ की अंतरिम राहत राशि की पहली किस्त जारी की। उन्होंने बताया कि रविवार को तीन और लोगों की मौत की खबर के साथ इस बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है, जबकि प्रभावित लोगों की संख्या घटकर 1.35 लाख रह गई है। दे असम के कई जिलों में बाढ़ के कारण जनजीवन अभी भी प्रभावित है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है, जबकि बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। प्रशासन और आपदा राहत एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार अभियान चला रही हैं। वोलीना ने लोगों से अपील की कि वे अपनी क्षमता के अनुसार बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हजारों परिवारों को इस समय भोजन, स्वच्छ पानी, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की सख्त जरूरत है। उन्होंने राहत कार्यों में जुटे स्वयंसेवकों और संगठनों की भी सराहना की। सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों को अंतरिम राहत राशि उपलब्ध कराने के साथ-साथ पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं की बहाली के प्रयास भी जारी हैं। अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर में धीरे-धीरे कमी आ रही है, लेकिन कई क्षेत्रों में हालात अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। देवोलीना के भावुक वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान असम की बाढ़ त्रासदी की ओर खींचा है। उनके प्रशंसकों और कई अन्य कलाकारों ने भी प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राहत कार्यों में सहयोग करने और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है। देवोलीना ने कहा कि असम उनके लिए केवल जन्मस्थान नहीं, बल्कि भावनाओं और यादों से जुड़ी वह मिट्टी है, जहां उनका बचपन बीता है। उन्होंने बताया कि बाढ़ की तस्वीरें और परिवार के सदस्यों की स्थिति देखकर खुद को संभाल पाना बेहद मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही हालात सामान्य होंगे और प्रभावित परिवार अपने जीवन को फिर से पटरी पर ला सकेंगे। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो सामने आने के बाद प्रशंसकों ने बड़ी संख्या में संवेदनाएं व्यक्त कीं और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए प्रार्थनाएं कीं। ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

बरखा सिंह ने सेट पर मनाया जन्मदिन, बोलीं- 'काम करते हुए जन्मदिन मनाना यादगार अनुभव'

अभिनेत्री बरखा सिंह ने 'क्रिमिनल जस्टिसः ए फैमिली मैटर' और 'द साबरमती रिपोर्ट' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स से खास पहचान बनाई। इन दिनों वह अपने नए प्रोजेक्ट में काफी बिजी हैं। इस बार उन्होंने अपना बर्थडे भी शूटिंग सेट पर सेलिब्रेट किया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह खुशी देने वाला अनुभव है, क्योंकि काम के प्रति उनकी लगन हमेशा से ऐसी ही रही है। बता दें कि बरखा सिंह आने वाले रियलिटी शो 'वी गॉट यू, गर्ल' की शूटिंग कर रही हैं। जन्मदिन के मौके पर भी उन्होंने शूटिंग जारी रखी और सेट पर ही अपना खास दिन मनाया। इस बारे में बात करते हुए बरखा ने कहा कि उन्हें काम के बीच अपना जन्मदिन मनाने में कोई परेशानी नहीं होती बल्कि यह उनके लिए एक यादगार अनुभव बन जाता है। बरखा ने कहा, "मेरा हमेशा से मानना रहा है कि किसी भी चीज को खास सामान्य दिनों से भी बनाया जा सकता है। इसलिए अपना जन्मदिन सेट पर मनाना मुझे बिल्कुल स्वाभाविक लगा। मेरे लिए यह बहुत अच्छा अनुभव है कि मैं काम कर रही हूं, कुछ नया सीख रही हूं और अपनी कला को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं।" बरखा ने अपने आने वाले सफर को लेकर भी उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, "मैं आगे भी ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे चुनौती दें और दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले।"

'लॉक अप 2' से बाहर आते ही आकांक्षा चौधरी का श्रेया कालरा पर आरोप, बोलीं- 'झूठे नैरेटिव बनाकर छवि खराब की गई'

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' इन दिनों अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। जैसे-जैसे शो का फिनाले करीब आ रहा है, वैसे-वैसे कंटेस्टेंट्स के बीच हुई पुरानी बहस और विवाद एक बार फिर चर्चा में आने लगे हैं। शो से बाहर होने के बाद आकांक्षा चौधरी ने श्रेया कालरा को लेकर कई बातें कही। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रेया ने कई बार बिना किसी सबूत के बातें कहीं और अपनी बात को सही साबित करने के लिए झूठी कहानियां बनाईं। शो से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, ''कई ऐसी बातें हैं, जो कैमरे पर सामने नहीं आ पाईं। अब दर्शकों ने भी उन चीजों को नोटिस करना शुरू कर दिया है। शुरुआत से ही श्रेया कुछ मामलों में गलत बातें कहती रही हैं और अब लोगों को सच्चाई समझ आने लगी है।'' उन्होंने आगे कहा, ''श्रेया ने जो आरोप लगाए, उनके लिए आज तक कोई सबूत नहीं दिया गया। उन्होंने कई बातें सिर्फ झूठे नैरेटिव के आधार पर बनाई हैं। कई बार किसी एक बात को अलग तरीके से पेश करके पूरी कहानी बदल दी जाती है।'' आकांक्षा ने उदाहरण देते हुए कहा, ''श्रेया ने शिल्पा शिंदे से जुड़ी एक ऐसी बात कही, जो कभी हुई ही नहीं थी। मैंने शिल्पा से कभी यह नहीं कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता को लेकर झूठ बोला है या उनके परिवार के बारे में कोई गलत बात कही है। ऐसी कोई बातचीत कभी हुई ही नहीं थी। मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक नैरेटिव बनाने की कोशिश थी।'' इसके अलावा आकांक्षा ने माधुरी के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''मैंने माधुरी से भी कहा था कि श्रेया कई चीजों को नैरेटिव बनाने के लिए पेश करती हैं। मुझे पता है कि इसके बाद मुझे महीनों तक सफाई देनी पड़ेगी। मुझे यह भी पता है कि मीडिया में किस तरह के सवाल पूछे जाएंगे और सोशल मीडिया पर किस तरह के कमेंट आएंगे। सिर्फ एक नैरेटिव किसी की जिंदगी बदल सकता है।'' उन्होंने आगे कहा कि माधुरी ने भी श्रेया को यह समझाने की कोशिश की थी, लेकिन वह इस बात को समझ नहीं पाईं और उन्होंने अपनी बातों को उसी तरह आगे बढ़ाया। बता दें कि 'लॉक अप 2' का फिनाले अब ज्यादा दूर नहीं है।

सार समाचार

ऑस्ट्रेलिया: सिडनी में इमारत का हिस्सा ढहा, दो की हालत गंभीर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सोमवार को इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि कई लोगों को वहां से निकाला गया। मलबे की ईंटें पास के एक पेट्रोल पंप पर जा गिरीं, जिसके बाद बड़े स्तर पर आपातकालीन राहत अभियान चलाया गया। आपातकालीन सेवाओं को सुबह करीब 11 बजे उल्टिमो इलाके की वॉटल स्ट्रीट पर इमारत गिरने की सूचना मिली।सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर कुल सात लोगों की जांच की। इनमें से दो पुरुषों की हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल भेजा गया। घायलों में एक की उम्र लगभग 30 वर्ष और दूसरे की करीब 60 वर्ष बताई गई है। एक को रॉयल प्रिंस अल्फ्रेड अस्पतालऔर दूसरे को सेंट विंसेंट्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार छात्रावास परियोजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा था। तभी एक पुराने वेयरहाउस की छत का एक हिस्सा और उससे लगी ईंट की दीवार ढह गई थी। एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) फायर एंड रेस्क्यू के एक्टिंग सुपरिंटेंडेंट पीटर मरे ने बताया कि जब क्रू मौके पर पहुंचा तो काफी अफरातफरी का माहौल था। उन्होंने कहा, " दीवार ढह गई थी, बिल्डिंग का बहुत बड़ा हिस्सा गिर गया था। ये काफी दुखदायी और खतरनाक स्थिति थी। दीवार ईंटों से बनी हैं और इनका वजन काफी ज्यादा होता है। एनएसडब्ल्यू फायर एंड रेस्क्यू टीम के अनुसार, मजदूर वहां मौजूद थे इसलिए उन्होंने इमारत गिरते ही कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

स्पेन की ओर से जारी आंकड़ों में दिखा भारी अंतर

मोरक्को। मोरक्को की ओर से साझा जानकारी के अनुसार रबात में हजारों लोगों के स्यूटा में घुसने के बाद 11 माइग्रेंट की मौत की खबर है। वहीं, स्पेन की तरफ से इस घटना में कम से कम 72 लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आ रहा है। मौजूदा हालात के बीच स्पेन की बॉर्डर पॉलिसी को लेकर यूरोपीय संघ की डिप्लोमैटिक टेंशन बढ़ गई है। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने पिछले हफ्ते स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी इलाके स्यूटा तक पहुंचने की कोशिश में मारे गए लोगों की पहली संख्या जारी की है, जिसमें कहा गया है कि 11 लोग मारे गए। हालांकि, स्पेन की तरफ से जारी बयान में मृतकों की संख्या 72 है। बुधवार और शुक्रवार के बीच हजारों संभावित माइग्रेंट्स इस इलाके में आ गए।

'ईरान नहीं चाहता हमला, अब परमाणु समझौते पर फैसला लेने का समय', डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी बातचीत को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत अभी चल रही है। ईरान की ओर से भी बातचीत से इनकार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ईरान किसी सैन्य हमले का सामना नहीं करना चाहता और उसने होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की इच्छा जताई है। हालांकि, ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता होर्मुज स्ट्रेट का मुद्दा नहीं, बल्कि ईरान का परमाणु-निरस्त्रीकरण (Denuclearization) है। उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक ठोस और स्वीकार्य समझौते पर पहुंचे। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के पास एक अच्छे समझौते पर हस्ताक्षर करने का यह आखिरी मौका है। उनके इस बयान को ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते और क्षेत्रीय तनाव के बीच अहम माना जा रहा है। वहीं, इसके पहले डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान के साथ प्रस्तावित नई वार्ता तेहरान के लिए समझौता करने और अमेरिका के हमलों से बचने का आखिरी मौका है। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले एक-दो दिन में बातचीत शुरू होगी, जिसके तहत होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोला जाएगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की चिंताओं का समाधान निकालने का रास्ता तैयार होगा। ट्रंप ने कहा, 'पहला फेज होर्मूज स्ट्रेट को खोलने का है। दूसरा चरण परमाणु निरस्त्रीकरण का है। इसमें थोड़ा समय लगेगा। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे सहयोगी खाड़ी देशों के आग्रह पर ईरान पर नए और बड़े हमले का आदेश देने का फैसला फिलहाल टाल दिया है।'

पाक आर्मी के लिए बलूचिस्तान बना नासूर, इलाके में पूरी ताकत झोंकने के बावजूद मुनीर की सेना हुई कमजोर

पाकिस्तान में इस वक्त कई मोर्चों पर हिंसक घटनाएं देखने को मिल रही हैं। एक मोर्चे पर सीमा पार अफगानिस्तान के साथ तनाव, दूसरे मोर्चे पर पीओके और तीसरे मोर्चे पर बलूचिस्तान में बलूच लोगों के साथ पाकिस्तानी सेना के टकराव की स्थिति बनी हुई है। पिछले कुछ महीनों में, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को कई हमलों में भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी सेना के जनरल हेडक्वार्टर को ऐसे ऑपरेशन शुरू किए, जिन्हें बड़े पैमाने पर और इंटेलिजेंस पर आधारित बताया गया। पाकिस्तान की सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने मिलकर 'ऑपरेशन शाबान' शुरू किया, जो 6 जुलाई को जियारत में मांगी डैम पंपिंग स्टेशन पर एक पुलिस पोस्ट पर बलूच विद्रोहियों के हमले के जवाब में था। वहीं, बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने उसी समय 'ऑपरेशन अल-अज्म' शुरू किया। लेकिन, इससे साफ हो गया कि प्रांत में पाकिस्तानी सेना की यूनिट्स बहुत कमजोर हो चुकी है। पाकिस्तानी सेना की तरफ से हाल के कुछ महीनों में जिस तरह की कार्रवाई की गई, जिसमें बलूचिस्तान के लोगों को जबरन गायब करना, न्यायेतर हत्याएं आदि शामिल हैं, बावजूद इसके बलूच लड़ाकों ने कड़ा मुकाबला किया है। बलूच के लोगों ने मुश्किल हमलों को कोऑर्डिनेट करने की अपनी क्षमता के साथ ही अपनी पहुंच और काबिलियत दिखाई। हालांकि, पाकिस्तान की लगभग सभी केंद्रीय और राजकीय सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों की बलूचिस्तान में अच्छी-खासी मौजूदगी है। आर्मी, वायु सेना, नौसेना और कोस्ट गार्ड समेत पाकिस्तान सेना की सभी ब्रांच बलूचिस्तान में मौजूद हैं, जिसमें आर्मी सबसे अहम है। पश्चिमी बलूचिस्तान में मौजूद ग्वादर का डीप-वॉटर पोर्ट प्राइमरी बेस के तौर पर काम करता है और कराची के बाद पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा पोर्ट है। इस पोर्ट पर पाकिस्तान कोस्ट गार्ड की तीसरी बटालियन भी है। तीन छोटे नेवल बेस पासनी, ओरमारा और जिवानी में हैं। इसके अलावा, पाकिस्तानी इंटेलिजेंस सिस्टम भी बड़े पैमाने पर तैनात है।

ब्राजील की वर्कर्स पार्टी ने राष्ट्रपति लूला को चौथे कार्यकाल के लिए आधिकारिक तौर पर नॉमिनेट किया

रियो डी जेनेरो। ब्राजील में इस साल अक्टूबर में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहा है। इस बीच ब्राजील की रूलिंग वर्कर्स पार्टी (पीटी) ने मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को आने वाले प्रेसिडेंट चुनाव के लिए आधिकारिक तौर पर अपना उम्मीदवार नामित किया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को साओ पाउलो में पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में, डेलीगेट्स ने ब्राजीलियन सोशलिस्ट पार्टी के मौजूदा उपाध्यक्ष गेराल्डो अल्कमिन के साथ लूला को टिकट देने को आधिकारिक मंजूरी दे दी। पीटी प्रेसिडेंट एडिन्हो सिल्वा ने ऐलान किया कि पार्टी ने सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट में अपने उम्मीदवार का रजिस्ट्रेशन पूरा कर लिया है।

कन्वेंशन को संबोधित करते हुए, 80 साल के ब्राजीलियाई राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार की उपलब्धियां कैंपेन के लिए एक मजबूत नींव का काम करेंगी।

लूला ने कहा, "हम हर जगह लोगों को गर्व से दिखा सकते हैं कि फेडरल सरकार ने क्या हासिल किया है।" लूला ने ब्राजील की डिफेंस इंडस्ट्री को मजबूत करने, देश के रणनीतिक मिनरल रिसोर्स की सुरक्षा करने और देश की संप्रभुता की रक्षा करने का वादा किया। उन्होंने कहा, "कोई भी चीनी, कोई भी अमेरिकी, कोई भी फ्रांसीसी ब्राजील की संप्रभुता का सम्मान किए बिना इन रिसोर्स को नहीं छुएगा।" उन्होंने कहा कि आगे बदलाव लाने के लिए उनकी सरकार को और ज्यादा हिम्मत दिखानी होगी। लूला के कैंपेन में कम आय वालों पर बोझ कम करने के मकसद से प्रस्तावित आय कर सुधारों के साथ-साथ एक ऋण राहत कार्यक्रम को भी उजागर किया गया। इसे सार्वजनिक समर्थन मिला है।

ईरान के साथ शांति समझौता बरकरार रखने के लिए अमेरिका पर दबाव बनाना जरूरी है: राष्ट्रपति पेजेश्कियन

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका को दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए गए शांति समझौते (एमओयू) पर कायम रहने के लिए मजबूर करना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एमओयू पर ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सदस्यों के बीच एक राय है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पेजेश्कियन ने कहा कि उनका मानना है कि यह एमओयू भविष्य में ईरान के विदेशी संबंधों का केंद्र बिंदु होगा। उन्होंने कहा, "हमें दुश्मन को उस बात पर मजबूर करने की कोशिश करनी चाहिए जिस पर उसने हस्ताक्षर किया है। इस एमओयू से देश, इलाके और हमारे साथियों की सुरक्षा बेहतर होगी।" इस बीच, ईरान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री सैयद माजिद इब्न अल-रजा ने रविवार को कहा कि तेहरान हर दुश्मन की धमकी को वास्तविक और गंभीर मानता है।

उन्होंने इसे महज मनोवैज्ञानिक युद्ध करार दिए जाने को खारिज कर दिया। अल-रजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "हम न तो आश्चर्यचकित होंगे और न ही निष्क्रिय रहेंगे। हम धमकियों को अपनी तैयारी बढ़ाने, अपनी रोकथाम क्षमता मजबूत करने और अपनी ताकत विकसित करने के आधार के रूप में इस्तेमाल करते हैं।"

यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ नए हमले टालने की बात कहने के बाद आया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपने पोस्ट में कहा कि अमेरिका पूरी तरह तैयार है और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ सैन्य आतंक, ताकत और शक्ति के उस स्तर पर कार्रवाई के लिए तैयार है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नहीं देखा गया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरान और अन्य मध्य पूर्वी देशों के अनुरोध पर उन्होंने हमला टाल दिया है। उन्होंने एक आगामी समझौते का हवाला दिया जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत और पूरी तरह से खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को समाप्त करना शामिल होगा। हालांकि, उनके बीच हाल ही में हुए तनाव के कारण बातचीत का नतीजा अधर में लटका हुआ है।

ब्रेक्जिट के छह साल बाद नया विवाद: ब्रिटेन ने ईयू नागरिकों से कहा, 'रेजिडेंसी स्टेटस गलती से दिया गया था'

लंदन। ब्रेक्जिट के वर्षों बाद भी ब्रिटेन में रह रहे यूरोपीय संघ (ईयू) के हजारों नागरिकों की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ब्रिटेन के गृह मंत्रालय (होम ऑफिस) ने कई लोगों को पत्र भेजकर बताया है कि उन्हें पहले जो प्री-सेटल्ड स्टेटस दिया गया था, वह प्रशासनिक गलती का नतीजा था। इस सूचना के बाद नए फरमान की जद में आए लोगों में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। इन खतों में कहा गया है कि संबंधित लोग ब्रेक्जिट की तय समय-सीमा तक आवश्यक पात्रता पूरी नहीं कर पाए थे, इसलिए उन्हें मिला रेजिडेंसी स्टेटस वैध नहीं माना जा सकता। ऐसे में अब उनके ब्रिटेन में रहने के अधिकार की दोबारा समीक्षा की जाएगी। सबसे बड़ी चिंता उन लोगों की है, जो पिछले कई वर्षों से ब्रिटेन में नौकरी कर रहे हैं, टैक्स भर रहे हैं, पढ़ाई कर रहे हैं या अपने परिवार के साथ बस चुके हैं। उन्हें उम्मीद थी कि पांच साल पूरे होने पर उनका प्री-सेटल्ड स्टेटस स्वतः सेटल्ड स्टेटस में बदल जाएगी। लेकिन अब अचानक मिले सरकारी पत्र ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस नए प्रशासनिक कदम के तहत गृह मंत्रालय अब उन लोगों के मामलों की जांच कर रहा है, जिन्हें अपना स्टेटस पूरी तरह से "सेटल्ड स्टेटस" में अपग्रेड करने के लिए अप्लाई करना जरूरी है। इसमें बच्चे, नॉन-यूरोपियन इकोनॉमिक एरिया (ईईए) के नागरिक और 31 दिसंबर 2020 के बाद आए कोई भी व्यक्ति शामिल हैं। पांच पन्नों के पत्र में कहा गया, "हमारे ध्यान में आया है कि आपको 31 दिसंबर 2020 की आधी रात से पहले, जब यूके ने ईयू से कानूनी तौर पर रिश्ते खत्म कर लिए थे।

नेपाल ने सीमा पार यात्रा के लिए भारत सरकार से की राष्ट्रीय पहचान पत्र वैध करने की अपील

काठमांडू। एक सीनियर इमिग्रेशन अधिकारी ने कहा कि नेपाल ने औपचारिक तौर पर भारत से अपील की है कि वह बॉर्डर पार यात्रा के लिए उसके राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) को एक वैध ट्रैवल डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता दे। इसका मकसद पहचान वेरिफिकेशन और सुरक्षा को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही को आसान बनाना है। एनआईडी भारत के आधार कार्ड जैसा ही है और इसमें बायोमेट्रिक जानकारी होती है, जिसमें फिंगरप्रिंट, चेहरे की तस्वीरें और आईरिस स्कैन शामिल हैं। नेपाली सरकार ने पासपोर्ट आवेदन, जमीन का रजिस्ट्रेशन, बैंक अकाउंट खोलने और दूसरी सरकारी सेवाओं जैसी कई सरकारी सेवाओं के लिए एनआईडी को जरूरी कर दिया है। नेपाल की वर्तमान सरकार धीरे-धीरे पुराने नागरिकता सर्टिफिकेट को डिजिटली पढ़े जा सकने वाले पहचान पत्रों से बदलना चाहती है। इसलिए ये कदम उठाया गया है।

नेपाल यह भी चाहता है कि भारत नेपाली नागरिकों के बॉर्डर पार आने-जाने के लिए एनआईडी को एक वैध डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता दे, क्योंकि भारत अभी नेपाल के पासपोर्ट और नागरिकता सर्टिफिकेट को आधिकारिक पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता देता है। नेपाल और भारत के नागरिकों को दोनों देशों के बीच यात्रा करने के लिए पासपोर्ट या वीजा रखने की जरूरत नहीं है।

डिपार्टमेंट ऑफ इमिग्रेशन के डायरेक्टर जनरल राम चंद्र तिवारी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया कि उनके ऑफिस ने जून के आखिर में भारत सरकार को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें नेपाली नागरिकों के लिए एनआईडी को वैलिड ट्रैवल डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता देने की मांग की गई थी।

तिवारी ने कहा, "अभी, भारत मुख्य रूप से नेपाल के पासपोर्ट और नागरिकता सर्टिफिकेट को आधिकारिक पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता देता है। हमने आधिकारिक प्रस्ताव दिया है कि नेशनल आइडेंटिटी कार्ड को भी हवाई यात्रा और क्रॉस-बॉर्डर मूवमेंट के लिए वैलिड पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर स्वीकार किया जाए।" नेपाल की अपील के बाद, काठमांडू में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने हाल ही में नेपाल के इमिग्रेशन अधिकारियों से एनआईडी के बारे में जानकारी मांगी। तिवारी ने कहा, "दूतावास के अधिकारियों ने कार्ड के तकनीकी और सुरक्षा पहलुओं के बारे में अनौपचारिक पूछताछ की। यह कोई औपचारिक द्विपक्षीय बैठक नहीं थी, बल्कि जानकारी का लेन-देन था।" उन्होंने कहा कि एनआईडी पारंपरिक नागरिकता सर्टिफिकेट से ज्यादा मजबूत सुरक्षा देता है।

ऑस्ट्रेलिया: मृत पक्षियों में एच5एन1 वायरस मिलने से हड़कंप, सरकार बोली- बड़ा नुकसान तय

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया में पहली बार घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू के कारण वन्यजीवों की बड़े पैमाने पर मौत की आधिकारिक पुष्टि हुई है। वैज्ञानिक संस्था सीएसआईआरओ ने जांच के बाद पाया कि दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में बड़ी संख्या में मृत पाए गए ग्रेटर क्रेस्टेड टर्न (समुद्री पक्षी) एच5एन1 संक्रमण से ग्रसित थे। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के रोब में एक सीगल भी इस बीमारी से संक्रमित पाया गया है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में सप्ताहांत के दौरान हवाई सर्वेक्षण में 49 ग्रेटर क्रेस्टेड टर्न मृत और 35 बीमार पाए गए थे। इन पक्षियों के नमूने जांच के लिए सीएसआईआरओ भेजे गए थे, जिनकी रिपोर्ट अब पॉजिटिव आई है।

इसके साथ ही यह ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 से जुड़ी पहली आधिकारिक मास मॉर्टेलिटी (बड़े पैमाने पर मौत) की घटना बन गई है। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृषि मंत्री जूली कॉलिन्स ने कहा, "दुर्भाग्य से हम जानते हैं कि एक बार एच5 बर्ड फ्लू वन्यजीवों और प्राकृतिक पर्यावरण में फैल जाए तो बड़ी संख्या में नुकसान को टालना संभव नहीं है - और अब हम वही देखना शुरू कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि अधिकारी ऑस्ट्रेलियाई वन्यजीवों में वायरस के प्रसार पर नजर रखना जारी रखेंगे।"

ऑस्ट्रेलियाई लोगों को अब और अधिक प्रसार और बड़ी संख्या में वन्यजीवों के प्रभावित होने की उम्मीद करनी चाहिए।" उनके मुताबिक यह केवल शुरुआत है और बर्ड फ्लू के फैलने के साथ वन्यजीवों में इस तरह की घटनाएं आगे भी देखने को मिल सकती हैं।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका ने शुरू किया अन्डरवॉटर सर्वे, कोरियाई युद्ध के दौरान क्रैश हुए जहाज का ढूंढ रहे मलबा

सोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को देश के पूर्वी तट के पास पानी में जॉइंट अंडरवाटर एक्सक्यूशन प्रोजेक्ट (संयुक्त जल-उत्खनन परियोजना) शुरू किया। इसका मकसद 1950-53 के कोरियन वॉर के दौरान गिरे यूएस एयरक्राफ्ट का मलबा ढूंढना है। सोल की डिफेंस मिनिस्ट्री ने यह जानकारी दी। यह प्रोजेक्ट, जो 28 अगस्त तक चलेगा, गैंगवोन प्रोविंस के गंगनेउंग और यांगयांग में होगा। इसमें मिनिस्ट्री की 'एजेंसी फॉर केआईए रिकवरी एंड आइडेंटिफिकेशन' और 'यूएस डिफेंस पीओडब्ल्यू/एमआईए अकाउंटिंग एजेंसी' (डीपीएए) शामिल हैं।

मिनिस्ट्री के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 40 लोगों को तैनात किया गया है, जिसमें साउथ कोरियन नेवी के फर्स्ट फ्लीट और एयर फोर्स के 18वें फाइटर विंग के लोग, साथ ही यूएस के अंडरवाटर प्लानर और डाइवर शामिल हैं। फरवरी 1952 में दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी एफ4यू कॉर्सेयर फाइटर एयरक्राफ्ट का मलबा ढूंढा जाएगा। खोज अभियान यांगयांग काउंटी के पास समुद्र में शुरू होगा, जो सोल से लगभग 215 किलोमीटर पूर्व में है। रिकॉर्ड के मुताबिक, यह लड़ाकू विमान एक क्षतिग्रस्त अमेरिकी हमलावर विमान के एस्कॉर्ट मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक पायलट की मौत हो गई थी। इसके बाद रिसर्च टीम सोल से लगभग 170 किलोमीटर पूर्व में गंगनेउंग क्षेत्र के पास अमेरिकी सैन्य परिवहन विमान कर्टिस सी-46 कमांडो के मलबे को निकालने पर ध्यान देगी। यह विमान अक्टूबर और नवंबर 1952 में दो अलग-अलग मौकों पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

खेल समाचार

वर्ल्ड चैंपियन जॉर्जीव के खिलाफ ओवैस याकूब की ऐतिहासिक जीत पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भारत के मिक्सड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी ओवैस याकूब ने शनिवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो बार के वर्ल्ड चैंपियन और अजेय फाइटर डेलियन जॉर्जीव को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ओवैस याकूब को इस खास जीत के लिए बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री के आधिकारिक पेज पर बताया गया, "मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के प्रतिभाशाली एमएमए फाइटर ओवैस याकूब को बुल्गारिया में ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन 107 में मिली शानदार जीत पर बधाई दी, जहां उन्होंने दो बार के आईएमएमएएफ वर्ल्ड चैंपियन को हराया, जो अब तक अजेय थे। इस उपलब्धि को जम्मू-कश्मीर और देश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री ने उनके निरंतर सफल होने और वैश्विक मंच पर और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की कामना की।" ओवैस याकूब ने 68 किलोग्राम के कैचवेट मुकाबले में बुल्गारिया के जॉर्जीव को तकनीकी नॉकआउट के जरिए शिकस्त दी। याकूब जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के रहने वाले हैं और उन्होंने जॉर्जीव को हराने के लिए सिर्फ 4 मिनट का समय लिया। यह जॉर्जीव के करियर की पहली हार रही। वहीं, याकूब ने अपने लगातार छह मैच जीतने के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है।

नरेन तम्हाने: गेंदबाज से विकेटकीपर बनने के बाद चमकी किस्मत, वैली ग्राउट से की जाती थी तुलना

भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज नरेन तम्हाने ने अपने करियर की शुरुआत एक गेंदबाज के तौर पर की थी। वह इत्तेफाक से विकेटकीपर बने और उन्होंने अपनी फुर्ती और तेज रिफ्लेक्स के दम पर बतौर विकेटकीपर अपनी खास पहचान बनाई। नरेन तम्हाने का जन्म 4 अगस्त, 1931 को मुंबई में हुआ।

नरेन के पिता सरकार कर्मचारी थे। नरेन को शुरुआत से ही क्रिकेट से खास लगाव था और वह बतौर गेंदबाज अपना करियर बनाने चाहते थे। हालांकि, क्लब क्रिकेट के एक मैच में विकेटकीपर की गैरमौजूदगी में नरेन को विकेट के पीछे दस्ताने पहनने की जिम्मेदारी सौंपी गई और इसके बाद तो मानो उनकी किस्मत पलट गई। नरेन अपनी फुर्ती और विकेटकीपिंग में काबिलियत के चलते जल्द ही चर्चा का विषय बन गए।

उन्होंने साल 1951 में अपने फर्स्ट क्लास करियर का आगाज किया। नरेन 1952-53 में खेले गए टूर्नामेंट रोहिंटन बारिया ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में 68.20 की एवरेज से 341 रन बनाए। लगातार शानदार प्रदर्शन के चलते अगले सीजन नरेन को फ्रैंक वॉरेल की कॉमनवेल्थ इलेवन के खिलाफ हुए अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले में ऑल इंडिया टीम में रखा गया। इसी साल उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी अपना डेब्यू किया। नरेन को पहली बार भारतीय टीम की जर्सी पहनने का सौभाग्य 1955 में प्राप्त हुआ।

जूडो में पहली बार गोल्ड, मुक्केबाजों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, इन 5 वजहों से भारत के लिए यादगार रहा सीडब्ल्यूजी 2026

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रविवार को शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ समापन हुआ। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हुए गेम्स में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और हॉकी जैसे महत्वपूर्ण खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद भी भारत की झोली में कुल 39 मेडल आए। आइए आपको बताते हैं किन 5 वजहों से देश के लिए यादगार रहा इस बार का कॉमनवेल्थ गेम्स।

भारतीय मुक्केबाजों का जलवा: कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन यादगार रहा। भारत ने इस खेल में कुल 10 मेडल जीते, जिसमें 7 गोल्ड मेडल शामिल रहे। यह पहला मौका रहा जब मुक्केबाजी में भारत की झोली में 7 गोल्ड मेडल आए। खासतौर पर भारत की बेटियों ने ग्लासगो में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में 'गोल्डन पंच' लगाया। महिला मुक्केबाजों ने 5 गोल्ड और एक सिल्वर जीता, जबकि पुरुष मुक्केबाजों ने 2 गोल्ड और 2 सिल्वर अपने नाम किए।

जूडो में ऐतिहासिक गोल्ड: भारत का प्रदर्शन जूडो में भी इस बार यादगार रहा। पहली बार भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस खेल में गोल्ड मेडल जीता। अस्मिता डे के साथ-साथ हर्ष सिंह ने भी गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। वहीं, कुल मिलाकर जूडो में भारत ने इस बार 4 मेडल पर कब्जा जमाया। यामिनी मौर्य ने सिल्वर और उन्नति शर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मीराबाई चानू ने लगाई गोल्ड की हैट्रिक: कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल लाने की सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रहीं मीराबाई चानू देश की उम्मीदों पर एकदम खरी उतरीं। उन्होंने वेटलिफ्टिंग में 48 किलोग्राम वर्ग में 190 किलो का भार उठाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। मीराबाई ने यह लगातार तीसरी कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतकर हैट्रिक लगाई।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने तंजानिया में ऐतिहासिक टीसीए एरिना का उद्घाटन किया

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम (यूडीएसएम) में तंजानिया क्रिकेट एसोसिएशन (टीसीए) के नए के नए टीसीए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया, जो देश का पहला आईसीसी-मंजूरशुदा क्रिकेट वेन्यू है। इसे तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के विकास के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। शाह ने इसे क्षेत्र में खेल के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम बताया। इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, शाह ने उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो पाया है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, "तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मंजूरशुदा क्रिकेट एरिना, इस शानदार नई सुविधा का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है।"

जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और 'क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया' के संस्थापक व ग्रुप लीडर तथा यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी मौजूद थे। नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करने वाला यह नया एरिना तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों के लिए ट्रेनिंग की सुविधा देगा। साथ ही, यह पूरे देश में ग्रासरूट और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा। तंजानिया के क्रिकेट समुदाय के पास अभी 27 समर्पित सुविधाएं हैं और इसे 119 एक्टिव कोच और 75 अंपायर का सहयोग मिल रहा है। साल 2024 से क्रिकेट में भागीदारी 70 प्रतिशत बढ़ी है और एक्टिव खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से ज्यादा हो गई है।

इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है, जिसका मुख्य कारण स्कूल-लेवल पर जुड़ाव है। इसमें इस बात से भी मदद मिली है कि तंजानिया ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया था। हालांकि, स्टेडियम का पहला चरण सिर्फ 16 महीनों में पूरा हो गया था, लेकिन यहां इसी महीने दो इंटरनेशनल टूर्नामेंट होने वाले हैं। शेष इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें दर्शकों के स्टैंड और खिलाड़ियों के लिए खास सुविधाएं शामिल हैं, उसका निर्माण साल के आखिर तक पूरा हो जाएगा। जय शाह ने कहा कि आईसीसी का उद्देश्य क्रिकेट को पारंपरिक देशों से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि तंजानिया क्रिकेट एरिना युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर देगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों की मेजबानी के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने तंजानिया क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को तैयार करने, स्कूलों में क्रिकेट को बढ़ावा देने और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। शाह ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचा और प्रभावी प्रशिक्षण व्यवस्था किसी भी देश में क्रिकेट के दीर्घकालिक विकास की आधारशिला होती है। इससे न केवल तंजानिया के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि पूर्वी अफ्रीका में क्रिकेट के विस्तार को भी नई गति मिलेगी।

अंडर-17 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप - कुल 13 मेडल के साथ भारतीय अभियान समाप्त

अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में भारत की फ्रीस्टाइल रेसलिंग टीम का सफर शानदार रहा है। आखिरी दिन तीन और मेडल जीतने के साथ महिला और पुरुष फ्रीस्टाइल रेसलिंग में भारत के कुल मेडल की संख्या 13 हो गई। अजरबैजान के बाकू में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय सितेंदर मलिक ने चैंपियनशिप के एक कड़े मुकाबले में रूस के सर्गेई कर्मीरियन का सामना किया। युवा भारतीय रेसलर ने शांत और सटीक रेसलिंग का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए 3-1 से जीत हासिल की और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ सितेंदर ने साल 2025 के अपने अंडर-17 वर्ल्ड टाइटल का सफलतापूर्वक बचाव किया। इतिहास के सुनहरे पन्नों में अपना नाम दर्ज कराते हुए सितेंदर दो अंडर-17/कैडेट वर्ल्ड टाइटल जीतने वाले भारत के दूसरे पुरुष फ्रीस्टाइल रेसलर बन गए हैं। इससे पहले, दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार ने अपने शुरुआती करियर में यह कारनामा किया था, जिन्होंने साल 1998 और 1999 में कैडेट वर्ल्ड टाइटल अपने नाम किए थे। 45 किलोग्राम कैटेगरी में, हनुमंत राजेंद्र जाधव ने ब्रॉन्ज मेडल के प्ले-ऑफ मुकाबले में शानदार फुर्ती और तकनीक का प्रदर्शन करते हुए ईरान के महदी दावूद डमरचेली के खिलाफ 7-1 से बड़ी जीत हासिल की। आखिरी दिन सक्षम ने भारत को उसका तीसरा मेडल दिलाया, जिन्होंने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में ईरान के मोहम्मद रजा बेहरांग इसाजादेह के खिलाफ अहम पलों में मजबूत डिफेंस और संयम दिखाते हुए 3-2 से जीत (वीपीओ1) हासिल की। पुरुष फ्रीस्टाइल कैटेगरी के समापन के साथ ही आधिकारिक तौर अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 की भी समाप्ति हुई।

अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में मेडल जीतने वाले भारतीय:

पुरुषों की फ्रीस्टाइल (एफएस)

गोल्ड: सितेंदर (60 किग्रा)

सिल्वर: आर्यन (48 किग्रा)

ब्रॉन्ज: हनुमंत राजेंद्र जाधव (45 किग्रा)

ब्रॉन्ज: प्रथमेश सूर्यकांत पाटिल (55 किग्रा)

ब्रॉन्ज: सक्षम एफएनयू (92 किग्रा)

ब्रॉन्ज: अरुष राणा (110 किग्रा)

महिला कुश्ती (डब्ल्यूडब्ल्यू)

सिल्वर: संध्या विश्नोई (46 किग्रा)

सिल्वर: अक्षरा (53 किग्रा)

सिल्वर: निकिता सहरावत (57 किग्रा)

ब्रॉन्ज: कामना बबल (49 किग्रा)

चेल्सी एफसी ने अर्जेंटीना के खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को किया साइन, 2033 तक का हुआ करार

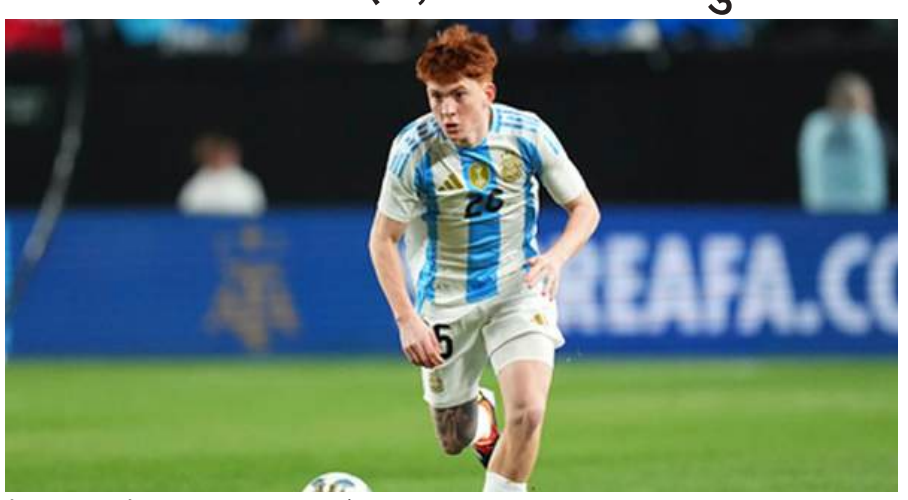

चेल्सी एफसी ने आरसी स्ट्रासबर्ग से अर्जेंटीना के इंटरनेशनल खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को साइन करने की पुष्टि की है। मिडफील्डर ने 2033 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। अर्जेंटीना के 22 वर्षीय खिलाड़ी प्री-सीजन के दौरान मैनेजर जाबी अलोंसो और अपनी नई टीम के साथियों के साथ जुड़ेंगे। 22 वर्षीय बारको ने अर्जेंटीना में बोका जूनियर्स के साथ अपना करियर शुरू किया था। अकादमी में आगे बढ़ने के बाद उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया और 2024 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन में शामिल होने के लिए इंग्लैंड जाने से पहले कई खिताब जीते। ससेक्स कोस्ट पर रहने के दौरान, वह कुछ समय के लिए सेविला और आरसी स्ट्रासबर्ग के लिए लोन पर खेले। 2024/25 सीजन में शानदार प्रदर्शन और स्ट्रासबर्ग को यूरोपियन फुटबॉल में जगह दिलाने में मदद करने के बाद, वे स्थायी रूप से स्ट्रासबर्ग से जुड़ गए।

पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 43 मैचों में बारको ने 12 गोल में योगदान दिया। क्लब स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया था। पिछले सीजन में, वे स्ट्रासबर्ग टीम का हिस्सा थे जो यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग के सेमीफाइनल तक पहुंची थी। 21 वर्षीय बारको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंचने वाली अर्जेंटीना टीम के सबसे युवा खिलाड़ी थे। हालांकि, खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार ट्रॉफी को अपने नाम करने का सपना अधूरा रह गया था और स्पेन ने 1-0 से बाजी मारी थी। बारको ने अब तक पांच बार अर्जेंटीना की सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में जाम्बिया और आइसलैंड के खिलाफ जीत में दो गोल किए थे और जॉर्डन के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत में अपना वर्ल्ड कप डेब्यू किया। उन्होंने जून 2026 में आइसलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान भी अर्जेंटीना के लिए गोल किया था।

मीराबाई चानू ने की केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से खास मुलाकात, भेंट की जर्सी

भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और मुख्य राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग कोच ने केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्होंने मंत्री को भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के सभी खिलाड़ियों द्वारा साइन की गई जर्सी भेंट की। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड बनाया और फिर क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाकर एक और गेम्स रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की वीडियो शेयर की। उन्होंने भारतीय महिला एथलीट की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा, "ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार जीत के बाद घर वापसी पर स्वागत है मीराबाई चानू। उन्होंने वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर एक बार फिर भारत का मान बढ़ाया है।"

वेटलिफ्टिंग में पदक विजेताओं को खेल मंत्री मांडविया ने सम्मानित किया, सौंपे नकद पुरस्कार

भारतीय वेटलिफ्टर्स ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 8 मेडल जीते, जिनमें 1 गोल्ड, 6 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहा। इसके साथ ही भारतीय दल ने कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। स्वदेश लौटने पर केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को इन पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार उपलब्धियों के लिए गोल्ड मेडल विजेताओं को 30 लाख रुपए, सिल्वर मेडल विजेताओं को 20 लाख रुपए और ब्रॉन्ज मेडल विजेताओं को 10 लाख रुपए के नकद पुरस्कार दिए। वेटलिफ्टर्स को बधाई देते हुए मांडविया ने कहा कि पूरे देश ने उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, "संसद में भी, हर बार जब आपने पदक जीते, तो घोषणाएं की गईं। उन पलों ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया।" मनसुख मांडविया ने कोचों की जमकर तारीफ की, जिनमें द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता विजय शर्मा भी शामिल थे। उन्होंने चैंपियन बनाने में कोचों की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा, "एक एथलीट के सफर में गुरु की सबसे बड़ी भूमिका होती है। चैंपियन बनाने में कोच के योगदान से बड़ी कोई चीज नहीं है।" कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनकर इतिहास रचा, जबकि ऋषिकांत सिंह और वल्लुरी अजय बाबू ने स्नैच में नए 'कॉमनवेल्थ गेम्स' रिकॉर्ड बनाए।

ज्ञानेश्वरी यादव और हरजिंदर कौर सहित कई वेटलिफ्टर्स ने अपना पर्सनल-बेस्ट प्रदर्शन किया। इन खेलों में 11 वेटलिफ्टर्स में से छह 'खेलो इंडिया एथलीट' (केआईए) हैं। पदक विजेताओं में ज्ञानेश्वरी एक खेलो इंडिया एथलीट हैं, जबकि बिंद्यारानी देवी, हरजिंदर और अन्य पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में ट्रेनिंग करते हैं।

'हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है', पीएम मोदी ने CWG 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा

कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 भारत के लिए यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और शूटिंग जैसे खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद देश की झोली में कुल 39 मेडल आए, जिसमें 13 गोल्ड शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीडब्ल्यूजी में भारतीय दल के ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना की है। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भारतीय खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए लिखा, "ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है। इस बात की खुशी है कि भारत ने 39 मेडल जीते हैं, जिनमें 13 गोल्ड मेडल शामिल हैं। मेडल जीतने वालों को बधाई। पूरे गेम्स के दौरान, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने बेहतरीन कौशल, दृढ़ संकल्प और समर्पण दिखाया है। उनकी कड़ी मेहनत हमारे युवाओं को प्रेरित करती रहेगी। भविष्य की कोशिशों के लिए पूरे भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें और देश का मान बढ़ाते रहें।" भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। भारत मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 10 मेडल अपने नाम किए, जिसमें 7 गोल्ड शामिल रहे। यह पहला मौका है जब मुक्केबाजी में भारत ने 7 गोल्ड जीते हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने बताया 'डार्क चॉकलेट' ब्रेन हेल्थ और हाई बीपी में क्यों है फायदेमंद?

अक्सर लोग कहते हैं कि चॉकलेट नहीं खाना चाहिए लेकिन यह सच नहीं है। अगर आपको डार्क चॉकलेट पसंद है तो बेझिझक आप इसका सेवन कर सकते हैं। क्योंकि यह आपकी ओवर ऑल सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। खासकर, इसका सेवन आपकी ब्रेन हेल्थ के लिए बेहद लाभकारी हो सकता है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि डार्क चॉकलेट चॉकलेट नहीं बल्कि एक सुपरफूड है। उनके अनुसार, सत्तर प्रतिशत या उससे ज्यादा प्रतिशत की डार्क चॉकलेट एक वैज्ञानिक रूप से समर्थित सुपरफूड है। तो चलिए जानते हैं डार्क चॉकलेट ब्रेन हेल्थ के लिए कैसे फायदेमंद है? डॉक्टर शुभम वात्स्य कहते हैं कि डार्क चॉकलेट में फाइबर, आयरन, मैग्निशयम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें मौजूद पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनोइड्स एक पावरफुल एंटी ऑक्सिडेंट्स हैं जो फ्री रेडिकल्स को न्यूट्रलाइज करते हैं। साथ ही प्री मेच्योर एजिंग और सेल्युलर डैमेज को स्लो करने में मददगार हैं। डॉक्टर शुभम वात्स्य कहते हैं जर्नल ऑफ न्यूट्रिशनल बायोकेमिस्ट्री (Journal of Nutritional Biochemistry) में प्रकाशित एक क्लिनिकल ट्रायल के अनुसार, डार्क चॉकलेट सेरोटोनिन, एंडोर्फिन जैसे हॉर्मोन लेवल को बूस्ट करती है और स्ट्रेस हॉर्मोन कोर्टिसोल लेवल को कंट्रोल करने में मदद करती है। इस वजह से मूड बेहतर होता है और स्ट्रेस नेचुरल कंट्रोल होता है जिससे मानिसक एकाग्रता बढ़ती है। डार्क चॉकलेट आपका हाई बीपी कंट्रोल करने में मददगार है। इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स ब्लड वेसल्स को फैलाकर रिलैक्स करते हैं जिससे हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है। साथ ही यह पीरियड क्रैम्प्स को कम करने में भी मददगार है और महिलाओं की एनर्जी को भी बढ़ाता है।

शरीर में सूजन जैसी महसूस होती है, हो सकता है वाटर रिटेंशन, जानिए इसके कारण और इसे कैसे दूर करें

जब हमारे शरीर के अंगों में वॉटर रिटेंशन होता है तो हमारे शरीर के कुछ हिस्सों जैसे हाथ, पैर, चेहरे और पेट की मांसपेशियों में सूजन हो जाती है। आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा कहती हैं कि जब हमारा शरीर मिनिरल्स के लेवल को बैलेंस नहीं कर पाता है तो इसकी वजह से शरीर के टिशूज में पानी जमा होने लगता है और शरीर के अंग फूलने लगते हैं। ये स्थिति आपके पैरों, एड़ियों और टखनों में भी भयंकर दर्द का कारण बन सकती है। वॉटर रिटेंशन का मतलब है शरीर के अंदरूनी हिस्सों में तरल पदार्थ का जमा होना। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर के ऊतकों यानि टिशूज में जरूरत से ज्यादा पानी जमा हो जाता है। इससे शरीर के कुछ खास हिस्सों, जैसे पैरों, टखनों, हाथों या चेहरे पर सूजन आ जाती है। यह समस्या महिलाओं में ज्यादा आम है, खासकर हार्मोनल बदलावों के कारण जैसे कि पीरियड्स से पहले या प्रेगनेंसी के दौरान ऐसा अधिक होता है। इसके अलावा, ज्यादा नमक खाना, कम पानी पीना, लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठे रहना और दिल, किडनी या लिवर से जुड़ी बीमारियां भी इस समस्या का कारण बन सकती हैं। अगर इसका इलाज न किया जाए, तो इससे हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की समस्या या दिल की बीमारी जैसी गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

इससे बचने के लिए नमक का सेवन कम करें, खूब पानी पिएं, रोज़ाना हल्की-फुल्की कसरत करें और लंबे समय तक एक ही जगह पर एक ही स्थिति में बैठने से बचें।

अगर सूजन बनी रहती है, तो डॉक्टर से ज़रूर सलाह लें, क्योंकि यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

स्वस्थ दिनचर्या और खान-पान अपनाकर शरीर में पानी जमा होने की समस्या से बचा जा सकता है। डॉक्टर चंचल शर्मा (आशा आयुर्वेदा विशेषज्ञ) ने सुझाव देते हुए इसके लिए कुछ घरेलू उपाय बताए हैं जिन्हें आप अपना सकते हैं।

नमक और प्रोसेस्ड फूड कम करें- सोडियम का सेवन कम करें और जंक फूड या डिब्बाबंद चीज़ों से बचें।

पोटैशियम और मैग्नीशियम लें- केले, एवोकाडो, हरी सब्ज़ियां, दही और नट्स जैसी चीज़ें खाएं, जो शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं।

खूब पानी पिएं- शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखने से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त नमक पेशाब के ज़रिए बाहर निकल जाते हैं।

पत्थरचट्टा कौन-कौन सी बीमारी में काम आता है?

पत्थरचट्टा के फायदेः पथरचट्टा एल्कलॉइड्स, फ्लेवोनोइड्स , ग्लाइकोसाइड्स, कार्डिएनोलाइड्स और स्टेरॉयड जैसे बायोएक्टिव गुणों से भरपूर है। इनके पत्तों में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि शरीर को कई बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। तो, आज हम जानेंगे उन बीमारियों के बारे में जिनमें पथरचट्टा का सेवन फायदेमंद है। साथ ही जानेंगे पत्थरचट्टा के पत्ते कैसे खाएं। पथरचट्टा में सूजन-रोधी और एनाल्जेसिक गुण होते हैं। परिणाम से पता चला कि पथरचट्टा के तने का अर्क दर्द और सूजन को कम कर सकता है। खासकर कि हड्डियों से जुड़ी समस्याएं जैसे कि गठिया और जोड़ों के दर्द में पथरचट्टा का सेवन फायदेमंद है। गुर्दे की पथरी कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल से बनी होती है। पथरचट्टा पौधे का सैपोनिन कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल को तोड़ सकता है। ये पथरियों को पानी के साथ फ्लश ऑउट करने में मदद करता है और फिर किडनी को स्वस्थ रखने में मददगार है। पथरचट्टा का उपयोग डायबिटीज मेलेटस के मामले में किया जा सकता है। पथरचट्टा में फिनाइल एल्काइल ईथर नामक बायोएक्टिव कंपाउंड होता है जो कि इंसुलिन के प्रोडक्शन को उत्तेजित कर सकता है, जिससे शुगर का स्तर और कम हो सकता है।

पत्थरचट्टा के पत्तों को उबाल लें और इसमें नमक मिला लें और फिर इसके रस को छान लें। फिर इसे एक कप में डालें और आराम से बैठकर इसका सेवन करें। इसके अलावा आप इनकी पत्तियों को पीसकर इनका अर्क निकालकर भी इनका सेवन कर सकते हैं। इस प्रकार से पत्थरचट्टा के पत्तों का सेवन सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। पथरचट्टा का सीमित सेवन डॉक्टर की सलाह के बाद ही करना चाहिए।

क्या केला सभी खा सकते हैं, जनरल फिजिशियन और न्यूरोलॉजिस्ट ने बताया किन लोगों को नहीं खाना चाहिए?

केला सभी सीजन में आसानी से मिलने वाला फल है। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को केले का स्वाद पसंद आता है। भूख मिटाने और शरीर को एनर्जी देने के लिए केला अच्छा फल माना जाता है। केला खाते ही शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है। लेकिन क्या केला सभी खा सकते हैं। एम्स ट्रेंड जनरल फिजिशियन और न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रियंका शेहरावत ने बताया कुछ लोगों को केला खाने से बचना चाहिए। डॉक्टर प्रियंका शेहरावत ने बताया कि केला को आप कैसे भी खा सकते हैं। रोज 1-2 केला खाने से शरीर को अच्छा पोषण मिल जाता है। केला खाने से शरीर को फाइबर और पोटैशियम मिलता है।

1 केला में करीब 400 mg पोटैशियम होता है। पोटैशियम आपकी मसल्स के लिए और नर्व्स के लिए के लिए बहुत जरूरी है। हां लेकिन किडनी के मरीजों को केला खाने से बचना चाहिए क्योंकि इनके शरीर में पहले से ही पोटैशियम का लेवल हाई होता है। इनकी किडनी पोटैशियम फिल्टर नहीं कर पाती है। ऐसे में केला और नारियल पानी इन लोगों को नहीं पीना चाहिए। आपको अपने पोटैशियम लेवल को मॉनिटर भी करना होता है। लेकिन जिन लोगों को किडनी की समस्या नहीं है वो केला खा सकते हैं। अगर आपको डायबिटीज भी है तो भी 1 केला खा सकते हैं। क्योंकि केले का ग्लाइसेमिक लोड कम होता है और ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज्यादा होता है तो इससे कुछ देर के लिए शुगर बढ़ता है, लेकिन लगातार शुगर हाई नहीं रहता है।

अगर आपका शुगर बहुत ज्यादा हाई है और कंट्रोल से बाहर है तो आपको डॉक्टर की बताई डाइट लेनी चाहिए और केला खाने से बचना चाहिए। लेकिन अगर आपकी शुगर कंट्रोल है तो आप 1 छोटा केला खा सकते हैं। अगर आपको बहुत ज्यादा सर्दी-जुकाम या कफ की समस्या है तो केला खाने से बचें। अस्थमा के मरीज को सर्दियों और बारिश में केला नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा ज्यादा केला खाने से कुछ लोगों को पेट में गैस, एसिडिटी हो सकती है। वजन घटाने वालों को भी ज्यादा केला खाने से बचना चाहिए। अधिक मात्रा में केला खाने से अतिरिक्त कैलोरी और प्राकृतिक शर्करा का सेवन बढ़ सकता है, जो कुछ लोगों में वजन बढ़ने या पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है।

मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं ये 5 चीजें, चेहरे की गंदगी और ऑयली स्किन से मिलेगा छुटकारा

आज के समय में बाजार में चेहरे पर निखार लगाने के लिए तरह-तरह के महंगे प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन केमिकल युक्त होने के चलते लोग इन प्रोडक्ट्स पर भरोसा करने में हिचकिचाते है। ऐसे में वे प्राकृतिक चीजों की ओर लौट रहे है।

इन्हीं प्राकृतिक चीजों में मुल्तानी मिट्टी का नाम सबसे ऊपर आता है। आज भी घरों में इसका इस्तेमाल त्वचा की सफाई और देखभाल के लिए किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी को त्वचा के लिए इसलिए खास माना जाता है क्योंकि यह चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल, धूल और गंदगी को हटाने में मदद करती है। मुलतानी मिट्टी में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को साफ रखने और फ्रेश महसूस कराने में मददगार होते हैं। हालांकि, सभी की त्वचा अलग होती है, इसलिए मुल्तानी मिट्टी में कुछ ऐसी प्राकृतिक चीजें मिलाई जा सकती हैं, जो अलग-अलग स्किन टाइप के हिसाब से बेहतर असर दे सकें। ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का मिश्रण फायदेमंद है। जिन लोगों के चेहरे पर ज्यादा तेल आता है, उनके लिए यह पैक त्वचा को साफ करने में मदद करता है। गुलाब जल त्वचा को ठंडक देने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ इसे मिलाकर लगाने से चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल कम महसूस होता है और त्वचा ज्यादा साफ नजर आती है। इसे कुछ समय तक चेहरे पर लगाने के बाद पानी से धो लें। लेकिन बता दें कि इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा में रूखापन आ सकता है। अगर त्वचा रूखी या बेजान नजर आती है तो मुल्तानी मिट्टी में दही मिलाकर लगाए।

पेट संबंधित समस्याओं से हैं परेशान? बस 5 मिनट इस योगासन को करने से मिलेगा आराम

दिनभर ऑफिस में बैठकर रहने से पेट संबंधित समस्याएं शुरू होने लगती है। लगातार बैठने से पाचन तंत्र धीमा होता है और पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। ऐसी स्थिति में पश्चिमोत्तानासन सबसे सरल और असरदार योगासनों में से एक माना जाता है। 'पश्चिम' का अर्थ है, शरीर का पिछला हिस्सा और 'उत्तान' का अर्थ खिंचाव होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर आगे की तरफ झुकता है, जिससे पेट के अंगों पर हल्का-सा दवाब पड़ता है। इससे पाचन बेहतर होता है, पेट की चर्बी कम होती है और कब्ज की भी शिकायत दूर होती है। साथ ही, ये रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाकर दिनभर की थकान भी दूर करता है। आयुष मंत्रालय के इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के साथ-साथ साइटिका की संभावना को भी कम करता है। यह कब्ज, मोटापा, अपच और त्वचा रोगों को दूर करने में भी सहायक होता है। रोजाना कुछ समय तक इस आसन को करने से शरीर लचीला बनता है, पाचन में सुधार होता है, और तनाव कम होता है। इस आसन को करने के समय साधक अपने पैरों की तरफ झुकते हैं, जिससे रीढ़ की हड्डी से लेकर पैरों की मांसपेशियों तक पूरा खिंचाव होता है। योग शास्त्रों में इस आसन को लंबी उम्र और बेहतर सेहत का राजा बताया गया है। इस आसन को करने से शरीर में खून का संचार बेहतर होता है, मोटापा कम होता है, और मन शांत रहता है। यह एक ऐसा योगासन है, जिसे हर उम्र के साधक कर सकते हैं। पश्चिमोत्तानासन करने से पहले इसका सही तरीका जानना जरूरी है।

सावधान! खाने में नमक का ज्यादा इस्तेमाल सेहत के लिए हो सकता है खतरनाक

जिस तरह फीका खाना खाया नहीं जा सकता, उसी तरह शरीर में कई तरह के जरूरी कामकाज के सुचारू रूप से चलने के लिए नमक बेहद जरूरी है। लीवर, दिल और थायराइड जैसे कई अंगों के सुचारू संचालन के लिए नमक जरूरी है, लेकिन जिस तरह किसी भी चीज की अति बुरी होती है उस तरह ज्यादा नमक भी शरीर को काफी नुकसान पहुंचाता है। नमक एक ऐसा इंग्रेडिएंट्स है, जिसका सही मात्रा में सेवन करना अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी होता है। आइए जानते है ज्यादा नमक खाने से आपकी सेहत को क्या नुकसान होते है? ज्यादा मात्रा में भोजन में नमक लेना दिल के लिए बड़ा खतरा है। ज्यादा नमक के सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे न केवल दिल कमजोर हो सकता है, बल्कि हार्ट अटैक भी हो सकता है। आजकल जंक फूड और रेडी टू ईट फूड पर हम ज्यादा निर्भर हैं, जिसमें नमक की मात्रा ज्यादा होती है। इस तरह के फूड का सेवन स्ट्रोक जैसे गंभीर खतरे को बढ़ा सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर का पानी यूरिन और पसीने के रूप में ज्यादा तेजी से बाहर निकलने लगता है। इससे किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है और किडनी की परेशानी हो जाती है। ज्यादा नमक का सेवन करने से हमारी हड्डियों में मौजूद कैल्शियम कम होने लगता है।

लाल मिर्च की तुलना ज्यादा फायदेमंद है हरी मिर्च, दिनभर में बस 1 का सेवन भी है काफी!

मिर्च के बिना खाने का स्वाद कहां आता है। ऐसा लगता है जैसे कि खाना सूना सा है। इसलिए लोग खाने में लाल मिर्च या हरी मिर्च मिलाते हैं और इन्हें खाते हैं। पर सवाल ये है कि किस मिर्च का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद है। हरी मिर्च या फिर लाल मिर्च। आपको रोजमर्रा की जिंदगी में किसे खाना चाहिए और क्यों। तो, बता दें कि हरी मिर्च में जहां विटामिन सी जैसे कुछ खास गुण होते हैं तो लाल मिर्च में कुछ अलग ही एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। दोनों ही मिर्च सेहत के लिए अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। आइए, जानते हैं दोनों को खाने के फायदे। लाल मिर्च पाउडर की तुलना में हरी मिर्च ज्यादा फायदेमंद है। हरी मिर्च में पानी की मात्रा अधिक होती है और कैलोरी शून्य होती है, जो इसे उन लोगों के लिए एक स्वस्थ विकल्प बनाती है जो अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हरी मिर्च बीटा-कैरोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और एंडोर्फिन का एक समृद्ध स्रोत है जबकि अधिक मात्रा में लाल मिर्च का सेवन आंतरिक सूजन का कारण बन सकता है जिसके परिणामस्वरूप पेप्टिक अल्सर की समस्या हो सकती है। रोज 1 हरी मिर्च खाने से शरीर में विटामिन सी की कमी दूर हो जाती है और शुगर कंट्रोल करने में मदद करने में मदद मिलती है।

फ्रिज से निकालकर गटागट पी जाते हैं पानी, जान लें सेहत के लिए कितना खतरनाक है?

गर्मी आने की देर नहीं हुई कि कुछ लोगों ने अभी से फ्रिज का ठंडा पानी पीना शुरू कर दिया है। चिलचिलाती धूप से घर में आकर सीधे ठंडा पानी पीने लगते हैं। लेकिन आपकी ये आदत बीमार कर सकती है। एकदम गर्मी से आकर चिल्ड पानी पीना सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अगर आपको भी फ्रिज का ठंडा पानी पीने की आदत है तो सतर्क हो जाएं। फ्रिज का ठंडा पानी पीने से न सिर्फ मोटापा बढ़ता है बल्कि कई दूसरी बीमारियों का खतरा भी पैदा हो सकता है। जानिए क्यों फ्रिज में रखे पानी को सेहत के लिए खतरनाक माना गया है? हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो तेज गर्मी में एकदम से ठंडा पानी पीने से आप बीमार पड़ सकते हैं। अचानक से बॉडी टेंपरेचर बदलने से सेहत को नुकसान हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा ठंडा पानी या कोई भी तरल पदार्थ रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ देता है। इससे पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। ऐसी स्थिति में शरीर का ध्यान पाचन से हटकर शरीर के तापमान को कंट्रोल करने में लग जाता है।

ठंडा पानी हार्ट के लिए खतरनाक माना जाता है। इससे ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती है और ब्लड फ्लो धीमा होने लगता है। कई बार ठंडे पेय पदार्थों के कारण ब्लड वेसल्स काफी कठोर हो जाती हैं।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट: प्रक्रिया, प्रकार और भारत में खर्च

बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक ऐसा चिकित्सीय उपचार है जिसमें रक्त बनाने वाली रोगग्रस्त कोशिकाओं की जगह स्वस्थ कोशिकाएँ लगाई जाती हैं — ये कोशिकाएँ या तो किसी डोनर से आ सकती हैं, या फिर मरीज़ के अपने शरीर से। हड्डियों के भीतर मौजूद स्पंज जैसे हिस्से को ही हम बोन मैरो कहते हैं। इसका काम है हर दिन स्वस्थ रक्त कोशिकाएँ बनाना। जब यह ठीक से काम करना बंद कर देता है, तो व्यक्ति बहुत बीमार हो सकता है, और ट्रांसप्लांट इसका समाधान हो सकता है। ज्यादातर परिवारों के सामने दो बड़ी चिंताएँ आती हैं। पहली है पैसा। खर्च बहुत ज्यादा लगता है और उसका सही अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है। दूसरी है अनजाने का डर, क्योंकि बहुत कम लोग जानते हैं कि इलाज के दौरान असल में होता क्या है। नीचे दिए गए हिस्सों में दोनों बातें सरल भाषा में समझाई गई हैं: ट्रांसप्लांट क्या है, इसकी ज़रूरत क्यों पड़ती है, इसके चरण कैसे काम करते हैं, और भारत में आमतौर पर इसका खर्च कितना आता है। रक्त कोशिकाएँ लगातार खत्म होती रहती हैं और उनकी जगह नई कोशिकाएँ बनती रहती हैं। बोन मैरो वही कारखाना है जो इन्हें बनाता है। कुछ बीमारियाँ या तो इस कारखाने को नुकसान पहुँचाती हैं या इसे खराब कोशिकाओं से भर देती हैं। ट्रांसप्लांट इस बिगड़े हुए कारखाने को साफ़ करके उसमें ताज़ा, स्वस्थ स्टेम कोशिकाएँ डालता है, जो दोबारा अच्छा रक्त बनाना शुरू कर सकती हैं। स्टेम कोशिकाएँ "मूल" कोशिकाएँ होती हैं। इनमें से हर एक ऑक्सीजन ले जाने वाली लाल कोशिका, कीटाणुओं से लड़ने वाली सफेद कोशिका, या रक्तस्राव रोकने वाली प्लेटलेट में विकसित हो सकती है। शरीर को पर्याप्त स्वस्थ स्टेम कोशिकाएँ मिल जाएँ, तो मैरो धीरे-धीरे खुद को फिर से खड़ा कर लेता है। डॉक्टर तब ट्रांसप्लांट की सलाह देते हैं जब रक्त या मैरो की बीमारी गंभीर हो और बाकी इलाज पर्याप्त साबित न हुए हों। इसके आम कारणों में ल्यूकीमिया और लिंफोमा जैसे कुछ ब्लड कैंसर, और मायलोमा जैसे प्लाज़्मा कोशिकाओं के कैंसर शामिल हैं। कुछ गैर-कैंसर बीमारियाँ भी इसके दायरे में आती हैं। थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग, जिनमें शरीर खराब लाल कोशिकाएँ बनाता है, कई बार इसी तरीके से ठीक किए जा सकते हैं। गंभीर अप्लास्टिक एनीमिया, जिसमें मैरो लगभग काम करना बंद कर देता है, एक और ऐसी ही स्थिति है। उम्र, समग्र स्वास्थ्य और बीमारी कितनी फैल चुकी है — ये सभी बातें इस फैसले को प्रभावित करती हैं। एक रक्त विशेषज्ञ पहले जाँच रिपोर्ट देखता है और तभी ट्रांसप्लांट की सलाह देता है जब संभावित लाभ जोखिम के मुकाबले सार्थक हो। विकल्पों पर विचार कर रहा व्यक्ति किसी oncologist in Rajkot से पूछ सकता है कि उसकी विशेष स्थिति इसमें फिट बैठती है या नहीं।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए RTO कार्यालय के ट्रैफिक इंस्पेक्टर, छापेमारी में घर से निकले नोटों के बंडल

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा विजिलेंस ने आरटीओ कार्यालय में तैनात एक ट्रैफिक इंस्पेक्टर को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी की पहचान मुकेश कुमार मिश्रा के रूप में हुई है, जो ओएमवीडी यानी ओडिशा मोटर व्हीकल डिपार्टमेंट में ट्रैफिक इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। विजिलेंस की कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी रकम जब्त की गई। इसके बाद उनके घर और अन्य ठिकानों पर तलाशी ली गई, जहां से 14.33 लाख रुपये नकद बरामद हुए। इस नकदी को भी जब्त कर लिया गया है। विजिलेंस के अनुसार, एक ट्रक मालिक ने शिकायत की थी कि उसके दो हाइवा ट्रकों को बिना किसी परेशानी के चलाने देने के बदले ट्रैफिक इंस्पेक्टर मुकेश कुमार मिश्रा हर महीने पैसे की मांग कर रहे थे। शिकायत के मुताबिक, जून और जुलाई 2026 यानी दो महीने के लिए आरोपी ने कुल 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी। यह रकम ट्रांसपोर्ट कारोबार को अपने अधिकार क्षेत्र में बिना किसी कार्रवाई या बाधा के चलाने देने के बदले मांगी गई थी। ट्रक मालिक रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं था। इसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत ओडिशा विजिलेंस से की।

बांकीपुर-दतिया उपचुनाव में BJP की हार पर नितिन नवीन ने क्या कहा?

नई दिल्ली। गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश की 3 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में आए नतीजों पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का बयान सामने आया है। गौरतलब है कि इन 3 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में बीजेपी को 2 विधानसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है और एक में जीत मिली है। नितिन नवीन ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, "आज तीन विधानसभा उपचुनावों में आए जनादेश को हम स्वीकार करते हैं। गुजरात की मांजलपुर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी पर अपना विश्वास व्यक्त करने के लिए वहां की जनता का हृदय से आभार। इस विजय के लिए भाजपा के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई।" नितिन नवीन ने कहा, "बांकीपुर और दतिया में हमें अपेक्षित जनादेश प्राप्त नहीं हुआ। हम इन दोनों क्षेत्रों के चुनाव परिणामों का पूरी गंभीरता से आत्ममंथन करेंगे तथा नई ऊर्जा और संकल्प के साथ जनता के बीच जाकर उनके विश्वास को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।" गुजरात के मांजलपुर विधानसभा उपचुनावों में बीजेपी को जीत मिली है। यहां से बीजेपी के सतेन्द्रभाई पटेल जीते हैं। उन्हें 55481 वोट मिले। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के भीखाभाई रबारी रहे।

Census 2027 का दूसरा चरण 17 अगस्त से, जाति के साथ माता-पिता की जन्मतिथि और जन्मस्थान भी पूछे जाएंगे

नई दिल्ली। जनगणना का दूसरा चरण 17 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। इस चरण में पहली बार जाति की गिनती की जाएगी। इसके साथ ही लोगों के माता-पिता की जन्मतिथि और जन्मस्थान की जानकारी भी पूछे जाने की संभावना है। गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस नोटिफिकेशन के मुताबिक लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों में जनगणना एक से 30 सितंबर तक होगी। लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों में जनसंख्या गणना 1 से 30 सितंबर तक होगी। इससे पहले 17-30 अगस्त तक खुद से गिनती करने (स्वगणना) का समय होगा। इसका मतलब है कि जनगणना के फेज-2 के लिए सवाल-जवाब भी जल्द ही नोटिफाई किए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, जनगणना में जाति की जानकारी उत्तरदाता द्वारा घोषित किए गए विवरण के आधार पर दर्ज की जाएगी। अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए ड्रॉप-डाउन मेन्यू उपलब्ध होगा, जबकि 'जाति' का विकल्प केवल गैर-SC और गैर-ST श्रेणी के लोगों के लिए होगा। वहीं माता-पिता के जन्म से जुड़ी जानकारी से नागरिकता के मानदंड पूरे करने वाले लोगों की संख्या का पता लगाने में मदद मिलेगी। ड्रॉप-डाउन मेन्यू में उसी राज्य की SC/ST लिस्ट दिखाई जाएगी, जहां उत्तरदाता की गणना की जा रही है। उत्तरदाता द्वारा बताई गई जाति की स्पेलिंग जवाब देने वाले के बताए अनुसार रिकॉर्ड की जाएगी। SC, ST या अन्य जाति की जानकारी के सत्यापन के लिए किसी दस्तावेज या जाति प्रमाण पत्र को दिखाना अनिवार्य नहीं होगा। एक अधिकारी ने बताया कि 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) में अपनाए गए स्व-घोषणा प्रारूप के तहत 45,000 से अधिक जातियों के नाम सामने आए थे, जिससे आंकड़ों का उपयोग करना

मुश्किल हो गया था। हालांकि, अब डिजिटल टूल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से आंकड़ों को व्यवस्थित करने और अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत करने की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। दूसरे चरण में पहली बार माता-पिता की जन्म की तारीख और जन्मस्थान की जानकारी जुटाई जाएगी, जो नागरिकता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण कारक हैं। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR) की प्रक्रिया 2011 की जनगणना के साथ आयोजित की गई थी। इसे 2021 की जनगणना के साथ दोहराया जाना था, लेकिन जनगणना स्थगित होने के कारण ऐसा नहीं हो सका। अब एनपीआर को Census 2027 से अलग कर दिया गया है। वर्ष 2010 में एनपीआर के दौरान उत्तरदाता द्वारा घोषित राष्ट्रीयता की जानकारी जुटाई गई थी। हालांकि, उस समय यह स्पष्ट किया गया था कि केवल इस जानकारी के आधार पर किसी व्यक्ति को नागरिकता का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। जनगणना के दूसरे चरण में एकत्र किए जाने वाले आंकड़ों का उपयोग देश की जनसंख्या संरचना, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं का व्यापक आकलन करने के लिए किया जाएगा।

यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में आंधी के साथ भारी बारिश का अनुमान

दिल्ली, नोएडा समेत पूरे एनसीआर का मौसम सुहावना हो गया है। बीती रात हुई बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह भी जारी है। नोएडा समेत एनसीआर के कई इलाकों में हल्की बारिश हो रही है और आकाश में काले बादल छाए हुए हैं। आकाश में काले बादल होने की वजह से दिन में अंधेरा सा दिख रहा है। आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने आज अरुणाचल प्रदेश, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी भारी बारिश की संभावना है। अगले दो दिनों तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, छत्तीसगढ़, तटीय कर्नाटक, झारखंड, केरल, माहे, कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भी मौसम के ऐसे ही हालात रहने की उम्मीद है। बता दें कि गुजरात, असम समेत कई राज्यों में भारी बारिश से कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात हैं।

कर्नाटक में वेटनरी ऑफिसर और सिविल पुलिस भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप

कर्नाटक में वेटनरी ऑफिसर की भर्ती में गड़बड़ी का आरोप लगा है। कर्नाटक लोक सेवा आयोग ने 17 जुलाई को वेटनरी अफसर के 400 पदों के लिए सक्सेसफुल कैंडिडेट्स की लिस्ट निकाली थी लेकिन जिन लोगों ने ये एक्जाम दिया था उनमें के कुछ लोगों ने सबूतों के साथ दावा किया कि भर्ती पैसा लेकर की गई है और OMR शीट को बदला गया है। ये मामला हाई कोर्ट में गया।

सबूत देखने के बाद हाई कोर्ट ने भी कहा कि ये दिनदहाड़े धोखाधड़ी का केस है। सरकार ने भी भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी और मामले की जांच CID को सौंप दी है। इस मामले में SIT का गठन भी कर दिया गया है। हाई कोर्ट ने 6 अगस्त तक SIT को जांच रिपोर्ट सबमिट करने को कहा है। दरअसल, उम्मीदवारों का आरोप है कि वेटनरी ऑफिसर की एक-एक पोस्ट 80 लाख से 1 करोड़ रुपये में बेची गई।

कैंडिडेट्स ने ही बिचौलियों का स्टिंग ऑपरेशन किया। ऑडियो रिकॉर्डिंग, वीडियो और तस्वीरें जारी की। इस मामले में कर्नाटक पुलिस ने दो बिचौलियों, सिकंदर चौधरी और आरिफ मोहम्मद मुल्ला को गिरफ्तार भी किया है। कर्नाटक में रविवार को सिविल पुलिस भर्ती की परीक्षा भी हुई थी। इस परीक्षा में भी हंगामा हुआ। इस परीक्षा के माध्यम से कुल 1453 पद भरे जाने थे। परीक्षा दे रहे नौजवानों ने आरोप लगाया कि क्वेश्चन पेपर और OMR शीट का नंबर मैच नहीं कर रहा है। इसके बाद हंगामा हुआ, बहुत से स्टूडेंट्स ने एक्जाम का बॉयकॉट किया लेकिन कर्नाटक एक्जामिनेशन अथॉरिटी ने पेपर लीक के आरोपों का खंडन किया है।

अथॉरिटी का कहना है कि ये पेपर लीक का मामला नहीं है। OMR शीट का नंबर, पेपर के नंबर से मैच करे ये जरूरी नहीं है। छात्रों को कन्फ्यूजन हुआ, उसे दूर कर दिया गया है। लेकिन केन्द्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि कर्नाटक सरकार की गड़बड़ी पकड़ी गई। अब इसे दबाने की कोशिश हो रही है। इस मामले की CBI जांच होनी चाहिए।

'PM मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली नाबालिग लड़की के खिलाफ अभी नियमित FIR नहीं'

नाबालिग लड़की के खिलाफ 29 जुलाई को नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली नाबालिग लड़की के मामले में दिल्ली पुलिस ने अभी तक नियमित FIR दर्ज नहीं की है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, लड़की के नाबालिग होने के दावे को देखते हुए नियमित FIR दर्ज करने पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, नोएडा पुलिस ने पिछले हफ्ते एक जीरो FIR भेजी थी, लेकिन दिल्ली में उसे अभी तक रेगुलर FIR में नहीं बदला गया है। इसलिए, इस स्टेज पर इसे वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, फिलहाल मामले की कानूनी प्रक्रिया जारी है। लड़की की उम्र समेत अन्य तथ्यों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रदर्शन के दौरान उनके और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ लगाए गए अपमानजनक नारे बेहद पीड़ादायक थे, लेकिन युवाओं को अपनी गलतियों से सीखने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सजा देने के बजाय ऐसे युवाओं का मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। इसके बाद संबंधित नाबालिग लड़की ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि वह केवल 15 साल की है। प्रदर्शन के दौरान अन्य लोगों के प्रभाव में आकर उसने नारे लगाए थे। लड़की की मां ने प्रधानमंत्री के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी बेटी को जीवनदान मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने प्रतिशोध के बजाय क्षमा का रास्ता चुना।

संयोग से जिस दिन प्रधानमंत्री का संदेश आया, उसी दिन उनकी बेटी का जन्मदिन भी था और यह उसके लिए सबसे बड़ा उपहार साबित हुआ। बता दें कि 23 जुलाई को हुए प्रदर्शन के संबंध में 29 जुलाई को नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं और संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 352, 353(1) और 356(1) के तहत मामला दर्ज किया है। अब इस मामले की आगे की जांच दिल्ली पुलिस कर रही है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि मामले की जांच पूरी तरह कानून के प्रावधानों के अनुसार की जा रही है। यदि जांच के दौरान यह पुष्टि होती है कि संबंधित लड़की नाबालिग है, तो आगे की कार्रवाई किशोर न्याय अधिनियम और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जीरो एफआईआर को नियमित एफआईआर में परिवर्तित करने का निर्णय जांच में सामने आने वाले तथ्यों और कानूनी राय के आधार पर लिया जाएगा।

'गालीबाज छात्रों को सामुदायिक सेवा करने का आदेश दें' एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि जिन छात्रों ने सोशल मीडिया पर गाली दी है, उन्हें सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट भी इस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इस मामले को बुधवार के दिन सुना जाएगा। एयरफोर्स के एक रिटायर्ड अफसर ने जंतर-मंतर पर हुई घटना का हवाला दिया और आयोजकों की जवाबदेही तय करने की मांग की। दिल्ली के जंतर-मंतर में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी की अगुआई में छात्रों ने संसद मार्च किया था। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोल छोड़े थे। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने भी पथराव किया था। इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आई थीं। बाद में कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा निकाला और जमकर गाली-गलौज की। प्रदर्शनकारी युवाओं ने पीएम मोदी के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया था।

इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद गाली देने वाली लड़की के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई थी। मामला बढ़ने पर लड़की ने बताया कि उसकी उम्र 15 साल है और उसने दूसरों के उकसावे में आकर पीएम मोदी को अपशब्द कहे थे। लड़की ने वीडियो जारी कर पूरे देश से माफी मांगी थी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लड़की को जमकर ट्रोल किया गया था, क्योंकि उसने पीएम मोदी की दिवंगत मां के लिए भी अपशब्द कहे थे। कई अन्य युवाओं के वीडियो भी सामने आए थे, जिनमें वह गाली-गलौज करते देखे जा सकते थे।

कई छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान भी अभद्र नारे लगाए थे। गाली-गलौज करने वाली लड़की के माफी मांगने के बाद पीएम मोदी ने भी वीडियो जारी किया था।

इसमें उन्होंने देश की बेटियों के अपशब्दों के इस्तेमाल पर चिंता जताई और कहा कि उन्हें सही दिशा में ले जाने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने गाली देने वाले युवाओं को माफ करने की बात कही थी। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी कहा था कि हमारी बेटियां इतनी आसानी से कैसे बहक जाती हैं।

राजा रघुवंशी और सोनम की शादी का कैटरिंग बिल अभी तक है बकाया, 15 दिन में पैसे नहीं दिए तो होगा केस

सनसनीखेज हत्याकांड के कारण देशभर में सुर्खियों में रही राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की शादी एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मामला न तो शादी का है और न ही हत्याकांड का, बल्कि उसी विवाह समारोह के बकाया कैटरिंग बिल को लेकर नया बवाल सामने आया है। बताया जा रहा है कि राजा और सोनम रघुवंशी की शादी का 2 लाख 82 हजार 550 रुपये का कैटरिंग बिल बकाया है। कैटरिंग कारोबारी ने सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद रघुवंशी और उनके परिवार को कानूनी नोटिस भेजकर 15 दिन के भीतर भुगतान की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि रकम नहीं चुकाने पर धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज कराया जाएगा। हाई कोर्ट अधिवक्ता जयंत दुबे के माध्यम से भेजे गए नोटिस में कैटरिंग व्यवसायी हितेश उर्फ जिमी रोहिरा ने दावा किया है कि 10 और 11 फरवरी 2025 को राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी के विवाह समारोह की पूरी कैटरिंग और भोजन व्यवस्था उन्होंने संभाली थी। नोटिस के मुताबिक, आयोजन का कुल बिल 11 लाख 42 हजार 550 रुपये था। इसमें से 8 लाख 60 हजार रुपये का भुगतान किया गया, लेकिन 2 लाख 82 हजार 550 रुपये आज भी बकाया है। नोटिस में साफ कहा गया है कि यदि तय समय में पूरी राशि का भुगतान नहीं हुआ, तो धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोपों में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई जाएगी। साथ ही, बकाया राशि की वसूली के लिए सिविल कोर्ट में भी दावा पेश किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415